MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 27 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-323

जादुई आँकड़ा पार!

मॉनसून सत्र 30 से, परिसीमन पास

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने संसद की बैठकें फिर से बुलाने का फैसला किया है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक, सरकारी कामकाज निपटाने के लिए लोकसभा की बैठक 30 नवंबर यानी सोमवार और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर यानी बुधवार को फिर से बुलाने का अनुरोध किया गया है। इस बीच शुक्रवार दोपहर 1 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है। संसद की बैठकें बुलाए जाने के बीच इस बैठक को अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी बैठक बुलाई है, जिसमें इंडिया गठबंधन के नेता शामिल होंगे।

यह कोई नया सत्र या विशेष सत्र नहीं है, बल्कि मानसून सत्र की ही आगे की कार्यवाही है, जो 3 दिसंबर को समाप्त हो सकती है। किरेन रिजिजू के सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, लोकसभा की कार्यवाही चार दिन और राज्यसभा की कार्यवाही दो दिन चल सकती है।

सरकार ने अभी तक आधिकारिक एजेंडा स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में परिसीमन से जुड़े एक अहम विधेयक को लेकर अटकलें तेज हैं। माना जा रहा है कि सोमवार को लोकसभा में यह परिसीमन विधेयक पेश किया जा सकता है। इसका सीधा संबंध 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने से है।



कैबिनेट बैठक में विधेयक पर बदलाव की संभावना

शुक्रवार दोपहर 1 बजे दिल्ली में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

इस विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत यानी 360 सांसदों का समर्थन चाहिए। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास 300 सांसद हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआर-आरसीपी) के 4, अकाली दल के 1 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार गुट के 8 सांसदों को जोड़ें तो आंकड़ा 333 तक पहुंचता है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के 22 सांसद जुड़ें तो यह संख्या 355 हो जाती है। यानी तब भी 5 सांसद कम रहेंगे। विपक्ष भी सतर्क हो गया है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम 4:30 बजे दिल्ली में संसदीय रणनीति समूह की अहम बैठक होगी।

अचानक क्यों बुलाई गई बैठक?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि सरकार ने यह बैठक इतनी जल्दी कैसे बुला ली। अगस्त में मानसून सत्र स्थगित हुआ था, लेकिन उस वक्त लोकसभा और राज्यसभा का सत्रावसान नहीं किया गया था। सत्रावसान का मतलब होता है सत्र को पूरी तरह समाप्त घोषित कर देना। चूंकि ऐसा नहीं हुआ, इसलिए सरकार को नया सत्र बुलाने की जरूरत नहीं पड़ी। वह मानसून सत्र को ही आगे बढ़ा सकती है और इसके लिए कम नोटिस पर्याप्त है। इसी वजह से किरेन रिजिजू ने लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर को बुलाने का अनुरोध किया। ▶8पर

जैन दंपत्ति का तिरुपति में
208 करोड़ चढ़ावा



तिरुपति, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नई के उद्योगपति वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने गुरुवार को तिरुमला स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर के मंदिर में 121 किलोग्राम 24 कैरेट सोने से निर्मित आभूषण भेंट किए। इन आभूषणों की अनुमानित कीमत 206 करोड़ रुपये बताई गई है। यह भव्य भेंट आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में भगवान को समर्पित की गई।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, दानदाता दंपती एवं उनके परिवार के सदस्यों ने रंगनायकुल मंडपम में प्रदर्शित आभूषणों के दर्शन किए। इसके पश्चात जैन परिवार के सदस्यों ने आभूषणों से सजी थालियां लेकर मंदिर की परिक्रमा की और भगवान श्री वेंकटेश्वर को विधिवत समर्पित किया।

इस अवसर पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के निर्दिष्ट प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं कार्यकारी अधिकारी मुद्दादा रविचंद्र तथा अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी छ. वेंकैया चौधरी उपस्थित थे। वर्धमान जैन ने भगवान वेंकटेश्वर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान ने उनके परिवार को इस भेंट के माध्यम से अपने जीवन को पवित्र एवं सार्थक बनाने का अवसर प्रदान किया है।

वर्धमान जैन ने बताया कि भगवान के आभूषण तैयार करने में 106 किलोग्राम सोने का उपयोग किया गया है, जबकि शेष 15 किलोग्राम सोने से तिरुचानूर स्थित देवी पद्मावती के लिए स्वर्ण वस्त्र तैयार किया जाएगा। इस स्वर्ण वस्त्र को आगामी तीन माह में देवी को अर्पित किए जाने की संभावना है। ▶8पर

साईं बाबा को एक किलो सोने का हार



शिरडी, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

शिरडी में साईं बाबा के दरबार में एक भक्त ने ऐसी भेंट चढ़ाई, जिसकी कीमत सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। मुंबई से आए एक श्रद्धालु ने बाबा को करीब एक किलो सोने का हार अर्पित किया है। इस हार की कीमत 1 करोड़ 16 लाख रुपये बताई गई है। इसी दिन एक दूसरे भक्त ने 2 किलो चांदी के बिस्किट चढ़ाए, ▶8पर

काउंटर ड्रोन सिस्टम टेस्ट सफल
आ गया भार्गवास्त्र

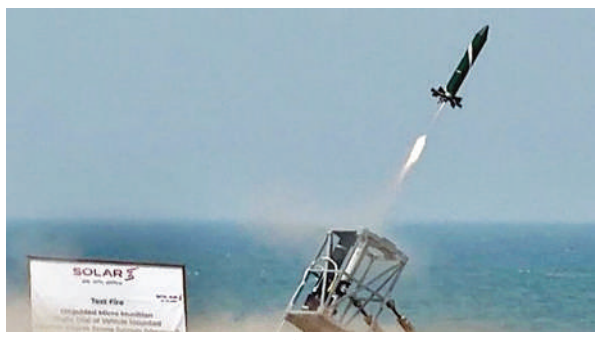

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने अपनी हवाई रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश के पहले स्वदेशी दो-स्तरीय, वाहन पर स्थापित ड्रोन रोधी प्रणाली 'भार्गवास्त्र' के विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे हो गए हैं। ये परीक्षण राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में संपन्न हुए। आधुनिक युद्ध में ड्रोन हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता

सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) द्वारा विकसित इस प्रणाली के परीक्षण 20 से 24 नवंबर तक किए गए थे। भार्गवास्त्र को दुश्मन के ड्रोन का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह विशेष रूप से समन्वित झुंडों में एक साथ उड़ने वाले कई ड्रोन हमलों के खिलाफ प्रभावी है। प्रणाली एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता रखती है।

यह एक मोबाइल, बहुस्तरीय रक्षा प्रणाली है। इसका उद्देश्य शत्रु ड्रोन, हथियारबंद मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), मंडराते हुए गोला-बारूद और स्वायत्त ड्रोन झुंडों को निष्क्रिय करना है। यह स्वदेशी रूप से विकसित अनगाइडेड रॉकेट और सटीक माइक्रो-मिसाइलों के संयोजन का उपयोग करती है। यह हवाई खतरों को रोकने और नष्ट करने में सक्षम है।

क्या है भार्गवास्त्र की खासियत?

इसकी दो-स्तरीय डिजाइन विभिन्न हथियारों का उपयोग करके अलग-अलग प्रकार के ड्रोन खतरों से निपटने की अनुमति देती है। प्रणाली 'हार्ड-किल' दृष्टिकोण का उपयोग करती है। इसका अर्थ है कि यह इलेक्ट्रॉनिक तरीकों, जैसे संचार संकेतों को बाधित करने या नेविगेशन प्रणाली को प्रभावित करने के बजाय शत्रु ड्रोन को शारीरिक रूप से नष्ट करती है। यह स्वायत्त ड्रोन के खिलाफ विशेष रूप से प्रासंगिक है। ▶8पर

कौन-कौन पत्रकार है?

जाँच के लिए 5 सदस्यीय सुप्रीम कमेटी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कवर कर रहे सात पत्रकारों के साथ मारपीट, दुर्व्यवहार और उन्हें गलत तरीके से हिरासत में लेने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने गुरुवार को इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस पांच सदस्यीय समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी करेंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे इस पांच सदस्यीय समिति के सामने संबंधित सबूत पेश करें। यह समिति आरोपों की जांच करेगी और पता लगाएगी कि क्या पत्रकारों के खिलाफ पुलिस ने वास्तव में ज्यादती की थी।

क्या है पूरा मामला?

ये याचिकाएं केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स और दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स द्वारा दायर की गई थीं। इनमें 10 और 11 अक्टूबर 2026 को विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रहे मीडियाकर्मियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का मुद्दा उठाया गया था। जानकारी के मुताबिक, ये प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किए जा रहे थे।



सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

जस्टिस बागची ने कहा कि समिति यह पता लगाएगी कि क्या पत्रकार विरोध प्रदर्शन वाली जगहों पर मौजूद थे, क्या उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया था और अगर ऐसा हुआ, तो क्या उस स्थिति के हिसाब से वह बल प्रयोग जरूरत से ज्यादा था।

समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'आप उस समिति के पास जाएं जिसका हमने गठन किया है, ताकि तथ्यों के आधार पर यह साबित हो सके कि आपके याचिकाकर्ता वास्तव में वहां मौजूद थे या नहीं।'

बागची ने आगे कहा, 'अगर वे वहां मौजूद थे, तो क्या उनके खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया गया था?' न्यायाधीश ने आगे कहा कि समिति को यह भी जांचना चाहिए कि क्या किया गया बल प्रयोग सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी बल से कहीं अधिक था।

वहीं, पत्रकारों के वकील पी.वी. दिनेश ने दलील दी कि ये सभी सातों मीडियाकर्मी स्थापित समाचार चैनलों और अखबारों के लिए काम करते हैं, न कि सोशल मीडिया पर रील बनाने वाले हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अपना काम कर रहे मान्यता प्राप्त पत्रकारों को पुलिस हिरासत में ले सकती है?

अदालत ने संकेत दिया कि वह पत्रकारों को मिलने वाले संवैधानिक सुरक्षा उपायों की जांच करेगी, जिसमें कहीं भी आने-जाने की उनकी स्वतंत्रता और अपने पेशे का पालन करने का अधिकार शामिल है।

अदालत इस बात पर भी विचार करेगी कि क्या किसी पत्रकार को किसी जगह से जबरन हटाना हिरासत के दायरे में आता है और ऐसी कार्रवाई के कानूनी परिणाम क्या हो सकते हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 17°

कांग्रेस 'छोटा भाई' बनने तैयार नहीं
यूपी 'इंडिया' खतरे में



नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनाव से ज्यादा दिलचस्प होती है समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर रस्साकशी। कई बार खींचतान के बाद सहमति बन जाती है, तो कई बार मामला बेनतीजा रहता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ ही दोनों पार्टियों के बीच तल्खी का इतिहास खुद को दोहराता दिख रहा है।

सीट बंटवारे की बातचीत के बीच ही समाजवादी पार्टी ने पांच विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों का एकतरफा ऐलान करके कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल दिया है। लेकिन, नौबत यहां तक पहुंचने के पीछे कांग्रेस की अपनी अतिमहत्वाकांक्षा भी कम जिम्मेदार नहीं है। यूपी में पार्टी की हालत खस्ताहाल होने के बावजूद वह खुद को समाजवादी पार्टी का छोटा भाई मानने के लिए तैयार नहीं है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आखिरी बार 1985 में बनी थी। 1989 में पार्टी सत्ता से बाहर होकर विपक्ष में बैठी और 1991 आते-आते तीसरे स्थान पर खिसक गई। फिर हाशिये पर ही चली गई। राज्य में सपा और बसपा के दौर में चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में भारतीय जनता पार्टी का उभार हुआ। नारायण दत्त तिवारी कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री थे और फिर उनके साथ ही चुनावों तथा संगठन के स्तर पर पार्टी का पतन होता चला गया। इसके बावजूद आज गठबंधन की मेज पर बैठते ही कांग्रेस अपने पुराने सियासी रुतबे के आधार पर दावेदारी ठोकने लगती है। ▶8पर

सपा अपराधबोध!

अब कानून -व्यवस्था मुख्य एजेंडा

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने पीडीए के संकल्प पत्र के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपना चुनावी एजेंडा स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, रोजगार, युवाओं, महिलाओं, किसानों, शिक्षा और स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए कई बड़े वादे किए। खास तौर पर कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने सख्त रुख अपनाने का ऐलान किया। कहा कि सपा की सरकार बनने पर अपराध, माफियागिरी, जमीनों पर कब्जे, अवैध वसूली और महिलाओं के खिलाफ अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सपा ने अपने घोषणापत्र में कुल 22 क्षेत्रों को शामिल किया है। इसकी सबसे अहम प्राथमिकताएं चार मोर्चों पर दिखाई देती हैं-युवा



और रोजगार, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कानून-व्यवस्था तथा महिला सुरक्षा। अखिलेश की कोशिश है कि पीडीए के सामाजिक समीकरण के साथ उन मुद्दों को भी जोड़ा जाए, जिनका सीधा संबंध प्रदेश के आम मतदाता से है। अखिलेश यादव ने घोषणापत्र में 25 लाख सरकारी नौकरियों, बेरोजगार स्नातक युवाओं को 5,000 रुपये मासिक पोषण भत्ता, किसानों की कर्जमाफी और पुलिस में महिलाओं को 33 प्रतिशत ▶8पर



बांग्लादेश में अवामी लीग की मदद के आरोप में पुलिस अफसर गिरफ्तार, 101 बैंक खाते फ्रीज

ढाका (बांग्लादेश)

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 27 और 28 नवंबर के देशव्यापी बंद के आह्वान से तारिक रहमान सरकार की नींद उड़ी हुई। हसीना के गृह जनपद गोपालगंज की हालिया हिंसा की जांच कर रही खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि अवामी लीग को पुलिस अधिकारियों और व्यापारियों ने उकसाया। इस समय लीग नेताओं को पैसा भी दिया जा रहा है। इस आरोप में पुलिस की विशेष इकाई स्पेशल रिस्पान्स बटालियन (एसआरबी) के एक कंपनी कमांडर को गिरफ्तार किया गया है। प्रोथोम अलो, ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा नेशनल बोर्ड आफ रेवेन्यू (एनबीआर) ने हिंसा को आर्थिक मदद देने और समर्थन करने के आरोपों के चलते 97 व्यक्तियों और चार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। इनमें एक पूर्व सचिव, प्रतिबंधित अवामी लीग के नेता और जन प्रतिनिधियों के खाते शामिल हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राजस्व खुफिया विभाग की कार्रवाई से इस हिंसा के पीछे की साजिश का एक और चिंताजनक पहलू सामने आया है। जांचकर्ता दो सवालों के जवाब तलाश रहे हैं कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों की आड़ में की गई तोड़फोड़ के पीछे कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय था और क्या प्रशासन के भीतर ऐसे लोग थे जिनके राजनीतिक और आर्थिक संरक्षण से यह सब हुआ खुफिया सूत्रों का कहना है कि केवल उन लोगों को गिरफ्तार करने से तोड़फोड़ की घटनाओं को दोबारा होने से नहीं रोका जा सकता, जिन्होंने सीधे तौर पर हमलों को अंजाम दिया। इसलिए, हिंसा के पीछे के संभावित आयोजकों, आर्थिक मदद देने वालों और सहयोगियों की पहचान करने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैंक खातों को फ्रीज करना और पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी करना इसी जांच का हिस्सा है। गोपालगंज में प्रतिबंधित अवामी लीग के हालिया कार्यक्रमों के दौरान हुई व्यापक तोड़फोड़ और हिंसा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। खुफिया एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि क्या मुकसूदपुर पुलिस स्टेशन में आगजनी के बाद, तोड़फोड़ में शामिल लोगों का पुलिस या प्रशासन के भीतर किसी व्यक्ति से संपर्क था या उन्हें वहां से कोई मदद मिली । फरीदपुर क्षेत्र में तीन दर्जन से अधिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को तोड़फोड़ के मामले में खुफिया निगरानी में रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल की कृषि मंत्री गीता चौधरी ने स्कूटर से पहुंचकर मीट कोल्ड स्टोरेज का किया औचक निरीक्षण



काठमांडू। नेपाल की कृषि, वन तथा पर्यावरण मंत्री गीता चौधरी ने मांस उत्पादों की स्वच्छता, गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों की स्थिति जानने के लिए काठमांडू के बालाजू और सीतापाइला स्थित मीट कोल्ड स्टोरेज का औचक निरीक्षण किया। खास बात यह रही कि मंत्री चौधरी खुद स्कूटर चलाकर निरीक्षण के लिए पहुंचीं। उनके स्कूटर पर पीछे निजी सुरक्षा अधिकारी बैठे हुए थे। मंत्री चौधरी ललितपुर स्थित जावलाखेल क्वार्टर से स्कूटर चलाकर निकलीं और सबसे पहले बालाजू स्थित वैली कोल्ड स्टोर पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने सीतापाइला स्थित बुढाथोकी कोल्ड स्टोर का भी निरीक्षण किया। उनके सचिवालय की सदस्य सरिता चौधरी ने इसकी जानकारी दी। मंत्री के सचिवालय के अनुसार यह निरीक्षण 17 नवंबर से लागू किए गए 'पशु वधशाला तथा मांस जांच अधिनियम, 2026 के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के लिए किया गया। काठमांडू घाटी के तीनों जिलों में लागू हुआ कानून सरकार ने उपभोक्ताओं को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण मांस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से काठमांडू घाटी के तीनों जिलों- काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर के सभी स्थानीय निकायों में इस कानून को औपचारिक रूप से लागू किया है। औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कोल्ड स्टोरेज में मांस के भंडारण की व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वच्छता, गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा से जुड़े निर्धारित मानकों के पालन की जांच की। उन्होंने उपभोक्ताओं के स्वच्छ, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण मांस का उपभोग करने के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए कानून का प्रभावी कार्यान्वयन और निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य बताया।

बांग्लादेश में दो पुलिस अधिकारी गिरफ्तार, एक पर गोपालगंज हिंसा में शामिल होने का आरोप



ढाका (बांग्लादेश)। ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस (डीएमपी) की खुफिया शाखा ने दो पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक 25वें बैच के अधिकारी मो. अबुल कलाम आजाद और दूसरे 33वें के मो. रकीबुल हसन हैं। डीएमपी के अतिरिक्त आयुक्त (खुफिया) शफीकुल इस्लाम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (बांग्लादेश) ने अबुल कलाम आजाद की गिरफ्तारी के लिए अनुरोध भेजा था। प्रोथोम अलो, ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इस्लाम ने रकीबुल हसन को गिरफ्तार करने के कारणों कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि अबुल हसन पर गोपालगंज में हाल ही में हुई हिंसा में शामिल होने का आरोप है। अबुल हसन स्पेशल रिस्पान्स बटालियन-14 की भैरब कंपनी में कंपनी कमांडर के तौर पर तैनात थे। उनका घर गोपालगंज के मुक्सुदपुर उपजिला के गोविंदपुर में है। रकीबुल हसन भी गोपालगंज के ही रहने वाले हैं। उधर, भारत में रह रहीं अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश लौटने के इरादे की घोषणा और अवामी लीग के बंद के दौरान हिंसा की आशंका के चलते पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों का कहना है कि आंतरिक जानकारी लीक करने और हाल ही में हुई तोड़फोड़ की घटनाओं में मिलीभगत के आरोपों के संबंध में कुछ और पुलिस अधिकारियों के नाम सामने आए हैं।

शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी, सुरक्षा यात्रा दस्तावेज को लेकर बड़े सवाल खड़े हुए

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना 16 दिसंबर 2026 को अपने देश लौटना चाहती हैं, जो विजय दिवस का भी दिन है। हालांकि, उनकी वापसी से पहले उनकी गिरफ्तारी, सुरक्षा, यात्रा दस्तावेज और निष्पक्ष सुनवाई को लेकर कई बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने उन्हें 2024 के विरोध प्रदर्शनों में हुई कार्रवाई से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने इस फैसले को खारिज कर दिया है, जबकि वर्तमान सरकार का कहना है कि अगर वह वापस आती हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश सरकार ने संकेत दिया है कि हसीना के वापस लौटने पर उन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। कानून व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। 25 नवंबर 2026 को बार्डर गार्ड बांग्लादेश ने घोषणा की कि ढाका समेत आठ जिलों में 108 यूनिट तैनात की गई हैं। हसीना के गृह जिले गोपालगंज में सबसे बड़ी टुकड़ी, यानी 56 यूनिट, तैनात की हैं, और चार रिजर्व यूनिट्स को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

नेपाल में 13 साल के बच्चों को भी काम करने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विवाद

काठमांडू

नेपाल में 13 साल की उम्र पूरी कर चुके बच्चों को कुछ निर्धारित हल्के काम करने की अनुमति देने के सरकारी प्रस्ताव पर संसद की समिति में विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने बाल श्रम (निषेध एवं नियमन) विधेयक-2026 में माता-पिता या अभिभावकों की सहमति से 13 साल के बच्चों को सीमित काम करने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, विपक्षी सांसदों ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों से किसी भी तरह का श्रम या रोजगार कराने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग की है।



नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की उद्योग, वाणिज्य, श्रम तथा उपभोक्ता हित समिति में विधेयक पर सैद्धांतिक चर्चा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। सांसदों के बीच इस बात को लेकर मतभेद सामने आए कि नेपाल में रोजगार के लिए न्यूनतम उम्र 13 साल होनी चाहिए या 15 साल। युवा, श्रम तथा रोजगार मंत्री रामजी यादव ने सरकारी प्रस्ताव का बचाव करते हुए कहा कि नेपाल में अभी भी लगभग 11 लाख बच्चे बाल श्रम में लगे हुए हैं। सरकार का उद्देश्य इस संख्या को कम करना है।

उन्होंने कहा कि केवल कानून बनाकर बच्चों के काम करने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना समस्या का व्यावहारिक समाधान नहीं है। गरीबी, पारिवारिक परिस्थितियों और अभिभावकों की अनुपस्थिति जैसी समस्याओं के कारण कई बच्चे काम करने को मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में जब तक राज्य उन बच्चों की पूरी जिम्मेदारी लेने में सक्षम नहीं होता, तब तक केवल पूर्ण प्रतिबंध लगाना प्रभावी नहीं होगा।

मंत्री ने कहा कि विधेयक तैयार करते समय बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, शारीरिक और मानसिक विकास, गरीबी, पारिवारिक स्थिति तथा कानून लागू करने की सरकारी क्षमता को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक आधार पर 13 साल की उम्र निर्धारित की है। केवल अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के प्रावधानों का अनुसरण करने के बजाय नेपाल की परिस्थितियों के अनुसार यह प्रस्ताव तैयार किया गया है।

प्रस्तावित विधेयक की धारा 3 के अनुसार 15 साल से कम उम्र के बच्चों को बाल विकास से संबंधित गतिविधियों के अलावा किसी भी काम में नहीं लगाया जा सकेगा। हालांकि इसमें 13 साल की उम्र पूरी कर चुके बच्चों के लिए विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत बच्चे और उनके माता-पिता या अभिभावकों की सहमति से उन्हें अनुसूची-1 में निर्धारित हल्के काम करने की अनुमति दी जा सकेगी। यह काम स्कूल के समय से पहले या बाद में अथवा छुट्टियों के दौरान ही किया जा सकेगा। इससे बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विकास प्रभावित नहीं होना चाहिए। प्रस्तावित अनुसूची में पांच श्रेणियों के तहत कई तरह के काम शामिल किए गए हैं।

समिति के सभापति रहबर अंसारी ने कहा कि विधेयक को अधिक प्रगतिशील बनाया जाना चाहिए और बच्चों से काम कराने वाले नियोक्ताओं के लिए इसे आर्थिक रूप से महंगा बनाया जाना चाहिए। बाल श्रम सस्ता श्रम उपलब्ध कराने का माध्यम है, इसलिए जुर्माना, कानूनी जवाबदेही और पुनर्वास के प्रावधान मजबूत होने चाहिए। उन्होंने बताया कि समिति अब सांसदों की ओर से दर्ज संशोधन प्रस्तावों पर धारा-दर-धारा चर्चा करेगी और विधेयक को अंतिम रूप देने से पहले विशेषज्ञों तथा संबंधित मंत्रालय के साथ भी विचार-विमर्श करेगी।

हालांकि प्रस्तावित विधेयक का सत्तारूढ़ दल के कुछ सांसदों ने भी विरोध किया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसदों ने विधेयक में बच्चों की सुरक्षा, पुनर्वास और गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने से जुड़े प्रावधानों को मजबूत करने की मांग की। सांसद सोम शर्मा ने कहा कि बाल श्रम का सीधा संबंध गरीबी, अभिभावकों की सुरक्षा की कमी और परिवार की आर्थिक स्थिति से है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कम आय वाले परिवार अपने बच्चों को काम पर भेजने के लिए मजबूर न हों।

आरएसपी सांसद प्रभा कार्की ने कहा कि बाल श्रम से बचाए गए बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास की जिम्मेदारी राज्य को तत्काल लेनी चाहिए। उन्होंने सुरक्षित आवास, स्कूलों में पुन: दाखिला और घरेलू बाल श्रम पर नियंत्रण के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की मांग की। बाल श्रम कराने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ गरीब परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

सांसद प्रकाश पाठक ने शरणार्थी बच्चों और नेपाल की खुली सीमा के रास्ते आने वाले बच्चों को भी बाल श्रम से बचाने के लिए विशेष प्रावधान करने की आवश्यकता बताई।

उधर, विपक्षी सीपीएन (यूएमएल) की सांसद गंगादेवी श्रेष्ठ ने कहा कि पहले सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक दिखाई देने वाला बाल श्रम अब धीरे-धीरे छिपे हुए स्थानों पर होने लगा है। उन्होंने इसके पीछे के कारणों की जांच करने की जरूरत बताई। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी, प्राकृतिक आपदाओं, माता-पिता के विदेश पलायन, अभिभावकों की मृत्यु, आवासीय संस्थानों से बच्चों के बाहर आने और शिक्षा में असमान पहुंच को बाल श्रम बढ़ने के प्रमुख कारणों में शामिल किया।

इन कार्यों की अनुमति- बीज बोना, पौधे लगाना, किचन गार्डन में पानी देना, निराई-गुड़ाई करना, फूल एवं फल तोड़ना, पशुओं को चारा देना तथा दूध निकालने में सहायता करना।

यरुशलम की कोर्ट के रुख से नेतान्याहू के बेदाग होने की उम्मीद बढ़ी



यरुशलम

इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए यरुशलम जिला अदालत का रुख राहत देने वाला है। अदालत ने रिश्वत लेने और अन्य आरोपों के मुकदमे की सुनवाई के दौरान कहा कि अभियोजन के लिए यह साबित करना बहुत मुश्किल होगा। अभियोजन को सलाह है कि वह नेतन्याहू से समझौता कर ले। अदालत की इस टिप्पणी के तत्काल बाद नेतन्याहू ने मुकदमे को खत्म करने की मांग की। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने गुस्से भरे भाषण में कहा कि भ्रष्टाचार के मुकदमे ने उनके परिवार और स्टाफ की जिंदगी बर्बाद कर दी है। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उन्हें काम करने से रोकना चाहते हैं। उनसे अपील की कि विपक्ष उनके साथ मिलकर गठबंधन सरकार बना ले। द टाइम्स आफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार तीन जजों की टिप्पणी आने के फौरन बाद नेतन्याहू ने शाम को यरुशलम में नेसेट (इजराइली संसद) से टीवी पर बयान दिया। इससे पहले उनके भ्रष्टाचार के मुकदमे की सुनवाई कर रहे जजों ने उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों पर संदेह जताया और अभियोजकों को समझौता करने की सलाह दी। जिला अदालत की सलाह के बाद नेतन्याहू ने बयान में दावा किया कि सत्ता से हटाने की इस अलोकतांत्रिक कोशिश ने उनके परिवार और देश के 10 साल बर्बाद कर दिए हैं। उन्होंने संबोधन की शुरुआत में कहा, यह मुकदमा बिखर गया है। दस साल पहले मैंने कहा था कि कुछ भी नहीं निकलेगा, क्योंकि कुछ था ही नहीं। इस सच्चाई को सबके सामने आने में 10 साल लग गए। उन्होंने कहा कि यह मुकदमा तुरंत खत्म होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि जजों ने यह भी संकेत दिया कि एक अन्य मामले में शायद कोई अपराध हुआ ही नहीं है। मुकदमा शुरू होने के छह साल से भी अधिक समय बाद आया यह बयान अभियोजन पक्ष के लिए एक बड़ा झटका है। जजों की टिप्पणी को नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने अपनी बेगुनाही साबित होने के रूप में देखा है। नेतन्याहू पर तीन मामलों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वत का आरोप है। उन्होंने हमेशा इससे इनकार किया। इस साल की शुरुआत में उन्होंने अदालत से बिना कोई अपराध स्वीकार किए औपचारिक रूप से माफी की मांग की थी। अपने संबोधन में इजराइल की अगली सरकार के गठन को लेकर चल रही बातचीत का जिक्र करते हुए कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने विरोधियों से अपील की कि वे उनके साथ मिलकर एक गठबंधन सरकार बनाने के लिए आगे आएं।

काठमांडू के एक होटल से 50.50 लाख नेपाली रुपये के साथ एक विदेशी सहित दो गिरफ्तार



काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के ठमेल स्थित एक होटल से पुलिस ने करीब 50.50 लाख नेपाली रुपये और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा के साथ एक विदेशी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चितवन की रहने वाली 20 वर्षीय स्नेहा रिमाल और मालदीव का नागरिक युटिथ इब्राहिम है। जिला पुलिस परिसर काठमांडू के एसपी दानबहादुर थापा के अनुसार दोनों को ठमेल स्थित स्नोलाइन होटल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से 50 लाख 50 हजार नेपाली रुपये, 4,215 ओमानी रियाल और 55 अरब अमीराती दिरहम बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरामद रकम और विदेशी मुद्रा के स्रोत तथा दोनों आरोपितों की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आनी बाकी है।

इंडोनेशिया की अवैध सोने की खदान में आई बाढ़ से 3 की मौत, 23 लापता

खदान की गहराई, संकरा रास्ता और कम रोशनी बचाव अभियान में बन रही बाधा

जकार्ता

इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में सोने की एक अवैध खदान में अचानक आई बाढ़ से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस घटना में कम से कम 26 खनिक खदान के अंदर पानी में फंस गए, जिनमें से अब तक तीन के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि 23 की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण सिसेरेह नदी का पानी खदान की सुरंगों में घुस गया, जिससे यह घटना हुई। यह खदान करीब 100 मीटर गहरी है और राजधानी जकार्ता के दक्षिण में बोगोर जिले के एक पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ का पानी घुसने से पहले ही 11 खनिक सुरक्षित बाहर निकल गए थे। स्थानीय खनिकों और लोगों ने शुरुआत में पंप लगाकर पानी निकालने की कोशिश की, लेकिन स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। चूंकि यह खनन गतिविधि अवैध रूप से चल रही थी, इसलिए अधिकारियों को तत्काल इसकी सूचना नहीं दी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक उन्हें बाढ़ आने के करीब 16 घंटे बाद खनिकों के फंसे होने की खबर मिली। आपदा रोधी एजेंसी के प्रमुख ने भी इस बात की पुष्टि की कि अवैध



गतिविधि के कारण जानकारी देने में देरी हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों, दमकलकर्मियों और अन्य एजेंसियों के शुरुआती आकलन के बाद जकार्ता खोज और बचाव एजेंसी को एक औपचारिक रिपोर्ट भेजी गई, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि खदान की अत्यधिक गहराई, अंदर जाने का संकरा रास्ता और रोशनी की सीमित व्यवस्था जैसी चुनौतियां बचाव अभियान को और भी जटिल बना रही हैं, जिससे बचावकर्मी सुरक्षित तरीके से काम कर सकें। डुबचाव अभियान के दौरान पहला शव दोपहर के बाद मिला, जिसके बाद करीब एक घंटे के भीतर दो और शव बरामद हुए। तीनों शव 30 से 40 मीटर की गहराई में पाए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया में अनौपचारिक खनन का काम बेहद सामान्य है, जिससे हजारों लोगों को आजीविका मिलती है। हालांकि, यह काम बेहद खतरनाक होता है, जिसमें भूस्खलन, बाढ़ और सुरंगों के ढहने का खतरा बना रहता है। इसके अतिरिक्त, सोने के अयस्क के प्रसंस्करण में पारे और साइनाइड जैसे अत्यधिक जहरीले रसायनों का इस्तेमाल होता है, और इन कार्यों में लगे श्रमिक अक्सर बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं, जिससे उनके जीवन पर हमेशा जोखिम बना रहता है।

हिमालयी ग्लेशियर झीलों से बाढ़ का खतरा कम करने के लिए नेपाल, संयुक्त राष्ट्र ने शुरू की, 5 करोड डालर की परियोजना, 3.85 लाख लोगों को होगा सीधा लाभ

काठमांडू

नेपाल सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों के फटने से आने वाली बाढ़ (ग्लोफ) के खतरे को कम करने और स्थानीय समुदायों की जान-माल की सुरक्षा के लिए करीब 5 करोड डालर की एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है।

ग्लोफ संजीवनी नाम की इस परियोजना से बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्रों में रहने वाले 3 लाख 85 हजार से अधिक लोगों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। इनमें 55 प्रतिशत महिलाएं होंगी। वहीं, परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में आने वाली नदी घाटियों के निचले इलाकों में रहने वाले करीब 20 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचेगा।

काठमांडू में आयोजित एक उद्घाटन कार्यशाला में इस परियोजना की औपचारिक शुरुआत की गई। इसमें नेपाल सरकार के अधिकारियों, ग्रीन क्लाइमेट फंड (जीसीएफ), यूएनडीपी, प्रांतीय एवं स्थानीय सरकारों के

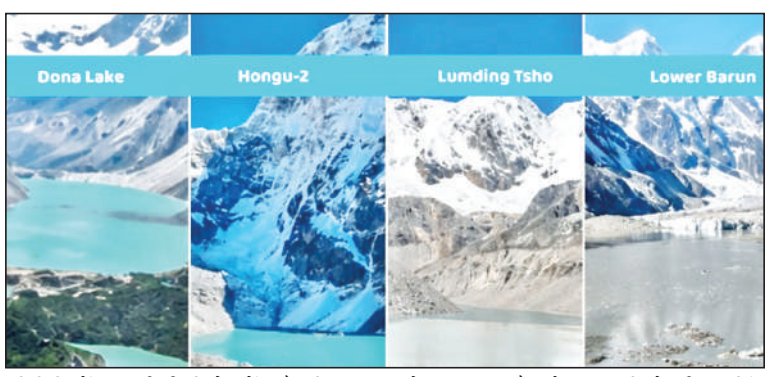

प्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों और विकास साझेदारों ने हिस्सा लिया।

चार खतरनाक ग्लेशियर झीलों का जलस्तर घटाया जाएगा - परियोजना के तहत नेपाल की चार उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलों का जलस्तर कम किया जाएगा। इनमें मनांग जिले की दोना (थुलागी), संखुवासभा की लोअर बरुण और सोलुखुम्बु जिले की लुमडिंग त्सो तथा होंगु-2 झील शामिल हैं।

योजना के अनुसार, दोना, लोअर बरुण और लुमडिंग त्सो झीलों का जलस्तर तीन-तीन मीटर घटाया जाएगा, जबकि होंगु-2 झील का जलस्तर एक मीटर कम किया जाएगा। इसके अलावा बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए मौसम और जल विज्ञान संबंधी निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली का विस्तार, जलवायु जोखिम से संबंधित सूचना और योजना निर्माण तथा नदी घाटियों में प्राकृतिक उपायों और सुरक्षा संरचनाओं का विकास भी किया जाएगा।

ग्रीन क्लाइमेट फंड देगा 36.16 मिलियन डालर का अनुदान - जल विज्ञान तथा जल संसाधन अनुसंधान केंद्र के उपकार्यकारी निदेशक एवं प्रवक्ता डा. राजन भट्टराई के अनुसार, परियोजना की कुल लागत 4.994 करोड डालर है। इसमें ग्रीन क्लाइमेट फंड 36.16 मिलियन डालर अनुदान के रूप में उपलब्ध कराएगा।

नेपाल सरकार 11.32 मिलियन डालर, यूएनडीपी 2.14 मिलियन डालर और निजी क्षेत्र के साझेदार 3 लाख 20 हजार डालर का सह-वित्तपोषण करेंगे।

यह परियोजना वर्ष 2026 से 2033 तक संचालित होगी। इसका क्रियान्वयन जल विज्ञान तथा जल संसाधन अनुसंधान केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत मर्स्यांगदी, अरुण, दूधकोशी और लोअर अरुण नदी घाटियों के संवेदनशील क्षेत्रों में पूर्व चेतावनी प्रणाली का भी विस्तार किया जाएगा।

आपदा आने के बाद नहीं, पहले से जोखिम कम करने पर जोर - जल तथा ऊर्जा आयोग सचिवालय के सचिव नवीन राज सिंह ने कहा कि परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एकीकृत और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। उन्होंने जल विज्ञान तथा जल संसाधन अनुसंधान केंद्र को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने और जलविद्युत परियोजना विकासकर्ताओं, निजी क्षेत्र तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ सहयोग मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यूएनडीपी की नेपाल में आवासीय प्रतिनिधि क्योको योकोसुका ने कहा कि यह परियोजना आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्यों पर निर्भर रहने के बजाय पहले से जोखिम कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफ़र कर रहे हैं तो अपने क़ीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज़्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। ज़मीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीज़ों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मुड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 नवंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 09:51 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 03:09 तक
योग : शुभ प्रातः 11:51 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:51 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 09:51 तक , संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:31

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जोगुलंबा शक्तिपीठ गोशाला में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन का सेवा अभियान

गोवंश के लिए निःशुल्क पशु चिकित्सा सामग्री, मिनरल मिक्सचर, कृमिनाशक दवाएं एवं कैल्शियम वितरित



गदवाल, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोसेवा एवं पशु कल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए तेलंगाना गोशाला फेडरेशन की ओर से गदवाल जिले में स्थित जोगुलंबा शक्तिपीठ द्वारा संचालित गोशाला में निःशुल्क पशु चिकित्सा सामग्री का वितरण किया गया।

गोवंश के बेहतर स्वास्थ्य एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में मिनरल मिक्सचर, कृमिनाशक दवाएं, कैल्शियम तथा अन्य आवश्यक औषधियां गोशाला को उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम में फेडरेशन की ओर से महेश अग्रवाल, तानीरु रवि, तन्नीरु ममता एवं साई निकिता अग्रवाल उपस्थित रहे। मंदिर की ओर से प्रतिनिधि प्रदीप ने पशु चिकित्सा सामग्री ग्रहण की। स्थानीय पशु चिकित्सा अधिकारी के. शंकरैया के साथ शांति एवं प्रसाद गौड़ भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि गोमाता की सेवा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि हम सभी का सामाजिक एवं नैतिक दायित्व है। गोशालाओं में रह रहे गोवंश को समय पर पोषण एवं उपचार उपलब्ध हो, यही फेडरेशन का प्रयास है। संसाधनों की कमी के बावजूद जो संस्थाएं निस्वार्थ भाव से गोसेवा कर रही हैं, उनके साथ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन प्रदेश की गोशालाओं को हरसंभव सहयोग प्रदान करता रहेगा। साथ ही समाज के लोगों से भी इस पुनीत कार्य में आगे आने एवं सहयोग देने का आह्वान किया।

महेश अग्रवाल ने बताया कि फेडरेशन का मुख्य उद्देश्य गोशालाओं में संरक्षित गोवंश को आवश्यक पोषण एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा गोसेवा के कार्यों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि मिनरल मिक्सचर एवं कैल्शियम से पशुओं की शारीरिक मजबूती बढ़ाने में मदद मिलती है, जबकि नियमित कृमिनाशक उपचार से उन्हें विभिन्न बीमारियों से बचाने में सहायता मिलती है।

मंदिर प्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों ने तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा इसे गोशाला के गोवंश के स्वास्थ्य एवं देखभाल के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

फेडरेशन ने गोवंश के स्वास्थ्य, संवर्धन एवं संरक्षण के लिए अपने सेवा प्रयास निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

गीत चाँदनी का पूर्णिमा कवि सम्मेलन संपन्न



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में प्रतिमास आयोजित होने वाला पूर्णिमा कवि सम्मेलन इस बार चिल्कूर बालाजी मंदिर, गंडीपेट के सुरम्य परिसर में विश्व शांति, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भावना एवं भक्ति के संदेश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की तथा संचालन कार्यदर्शी एवं कवि गोविंद अक्षय ने किया। श्रीमती उर्मिला वर्मा, विनय कुमार सिंह एवं राजेश सिंह वर्मा विशेष अतिथि रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना, दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना से हुआ। कवि सम्मेलन कीर्तिशेष नेहपाल सिंह वर्मा की स्मृति को समर्पित रहा। गोविंद अक्षय ने उनके साहित्यिक योगदान एवं संस्था की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

काव्य पाठ करने वालों में गोविंद अक्षय, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुनील मिश्रा, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, निधि झा, जितेंद्र कुमार चंचल, विजय लक्ष्मी बसवा, विद्या दवे श्रीमाली, विनय कुमार सिंह, सुहास भटनागर, मंजुला यादव, चंपालाल बैद एवं आशा ठाकुर शामिल रहे। कवियों ने भक्ति, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना एवं हास्य-व्यंग्य से परिपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

विनय कुमार सिंह ने देव दीपावली एवं गुरु नानक जयंती के महत्व पर प्रकाश डाला। राजेश सिंह वर्मा ने बताया कि यह कवि सम्मेलन वर्ष 1989 से चिल्कूर बालाजी मंदिर परिसर में नियमित रूप से आयोजित हो रहा है। उर्मिला वर्मा ने संस्था की साहित्यिक परंपरा निरंतर जारी रहने पर प्रसन्नता व्यक्त की। अध्यक्ष चंपालाल बैद ने नेहपाल सिंह वर्मा के हिंदी एवं उर्दू साहित्य में योगदान को अविस्मरणीय बताया।

कार्यक्रम में संध्या वर्मा, सरिता डोकानिया, नरसिंह प्रसाद सिंह चौहान सहित अनेक साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। अंत में सामूहिक भोजन हुआ तथा संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

निस्वार्थ अन्नसेवा मानवता की सच्ची सेवा : मनीष अग्रवाल



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को अन्नसेवा कर मानवता और सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ सेवा एक बहुत बड़ा कार्य है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा और दिखावे के केवल मानवता के भाव से किया जाए। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि उसके प्रति प्रेम, संवेदना और आत्मीयता प्रकट करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों की आवश्यकता है, जिससे लोगों में परोपकार और सहयोग की भावना मजबूत हो। मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा का उद्देश्य होना चाहिए।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ दूसरों को भी सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। सेवा का कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि उसके पीछे जुड़ी निस्वार्थ भावना ही उसे महान बनाती है।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन लता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल एवं ई-जगन चंपापेट सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अन्नसेवा के कार्य में सहयोग प्रदान किया। ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे।

संविधान दिवस पर प्रो. बालकृष्ण रेड्डी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा की ओर से 77वें संविधान दिवस पर मसाब टैंक स्थित तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि हाईकोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस टी. रजनी ने संविधान को अधिकारों, कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। इस अवसर पर तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के चेयरमैन प्रोफेसर वी. बालकृष्ण रेड्डी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2026 प्रदान किया गया। वाइस चेयरमैन प्रोफेसर एतिकाला पुरुषोत्तम ने संविधान को लोकतंत्र एवं राष्ट्रीय एकता का आधार बताया।

सामान्य प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश



पेद्दापल्ली, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ) डॉ. पवित्रा ने सिजेरियन प्रसव की दर कम करने तथा सामान्य प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएचसी सुल्तानाबाद एवं जिला अस्पताल पेद्दापल्ली का दौरा कर प्रसव सेवाओं की समीक्षा की तथा गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण, योग एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिजेरियन प्रसव केवल चिकित्सकीय आवश्यकता होने पर ही किया जाए। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं एवं एएनएम को गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी और सरकारी अस्पतालों में प्रसव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान गैर-संक्रामक रोगों की जांच एवं निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने की भी समीक्षा की गई।

अय्यप्पा भक्तों के लिए महाप्रसाद आयोजित



मदनूर, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एमआरपीएस वरिष्ठ नेता सूर्यवंशी यादवराव ने गुरुवार को अपने कार्यकर्ताओं के साथ भगवान अय्यप्पा स्वामी की दीक्षा लेने वाले भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीक्षाधारी भक्तों को सात्विक भोजन कराना पवित्र एवं पुण्यदायी सेवा है। 41 दिनों की दीक्षा के दौरान भक्त सात्विक जीवन जीते हैं, इसलिए भोजन में प्याज, लहसुन एवं तामसिक पदार्थों का उपयोग नहीं करना चाहिए। भक्तों को भगवान अय्यप्पा का स्वरूप मानकर 'स्वामी' कहकर सम्मानपूर्वक भोजन कराना चाहिए। इस अवसर पर सूर्यवंशी यादवराव का स्वामियों की ओर से सम्मान किया गया।

विज्ञापनों से आंबेडकर की तस्वीर गायब



पेद्दापल्ली, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस सरकार की ओर से अचमपेट में साड़ियों के वितरण की घोषणा करते हुए शुभकामना विज्ञापन जारी किए गए। हालांकि, इन विज्ञापनों में संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की तस्वीर नहीं होने को लेकर चर्चा हो रही है। विज्ञापनों में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क एवं मंत्री सीताक्का की तस्वीरें प्रकाशित की गई हैं।

संविधान दिवस मनाया



मदनूर, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एमआरपीएस वरिष्ठ नेता यादवराव सूर्यवंशी ने कार्यकर्ताओं के साथ मदनूर मंडल के मेनूर गांव में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर उन्होंने संविधान को लोकतंत्र की मजबूत नींव बताते हुए नागरिकों के अधिकारों, समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं सामाजिक समरसता की रक्षा करने का संकल्प लिया तथा देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं।

ऑटो यूनियन ने दिखाई इंसानियत

मृतक चालक हुसैन के परिवार को 15 हजार की सहायता



बांसवाड़ा, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय ऑटो यूनियन ने दिवंगत ऑटो चालक हुसैन के परिवार को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर इंसानियत की मिसाल पेश की। 15 नवंबर को हुसैन के निधन के बाद यूनियन के चालकों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्रित कर परिवार को आर्थिक मदद दी। यूनियन नेता खलील ने कहा कि मुश्किल समय में साथी चालक के परिवार के साथ खड़ा होना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ऑटो चालकों की आर्थिक समस्याओं एवं कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होने पर चिंता जताते हुए सरकार से चालकों और उनके परिवारों की मदद करने की अपील की। इस अवसर पर ऑटो यूनियन के मानद अध्यक्ष खलील नाइक, चांद पाशा, आसिफ खान, वसीम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिलापट्ट पर मुख्यमंत्री का नाम लगाने की मांग



पेद्दापल्ली, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने मंथानी निर्वाचन क्षेत्र में सरकारी संगीत एवं नृत्य महाविद्यालय भवन के उद्घाटन के शिलापट्ट पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी एवं संबंधित मंत्रियों के नाम नहीं होने पर आपत्ति जताते हुए मुख्य सचिव संजय जाजू को पत्र लिखा। मंत्री श्रीधर बाबू ने जिला कलेक्टर के साथ भवन का उद्घाटन किया था। सांसद ने प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री एवं संबंधित मंत्रियों के नाम और तस्वीरें शिलापट्ट पर अंकित करने तथा तत्काल सुधार करने की मांग की। इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चा हो रही है।

संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी कांग्रेस : वमसी कृष्णा



पेद्दापल्ली, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संविधान दिवस के अवसर पर पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने हैदराबाद के लिबर्टी स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने काका की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा पर संविधान के विरुद्ध साजिश रचने तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान प्रदत्त समानता, स्वतंत्रता एवं नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के प्रयासों का विरोध करेगी।

चूड़ी धाम में भव्यता एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुई

माँ जीण माता और बाबा श्याम की प्राण प्रतिष्ठा

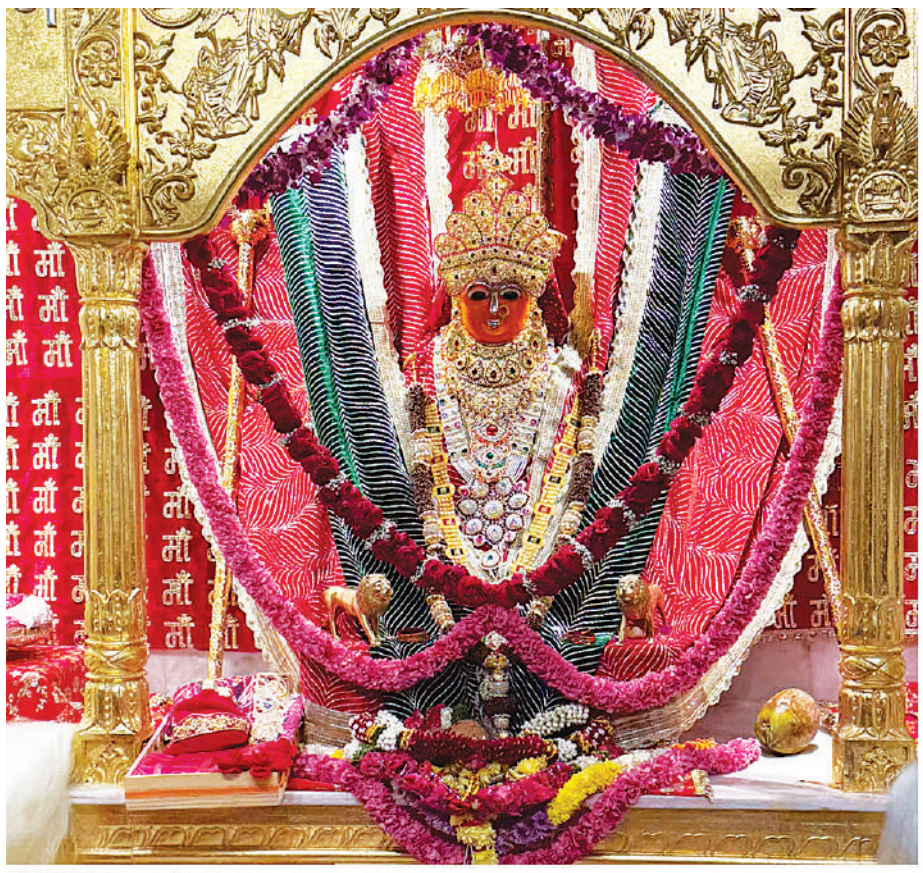





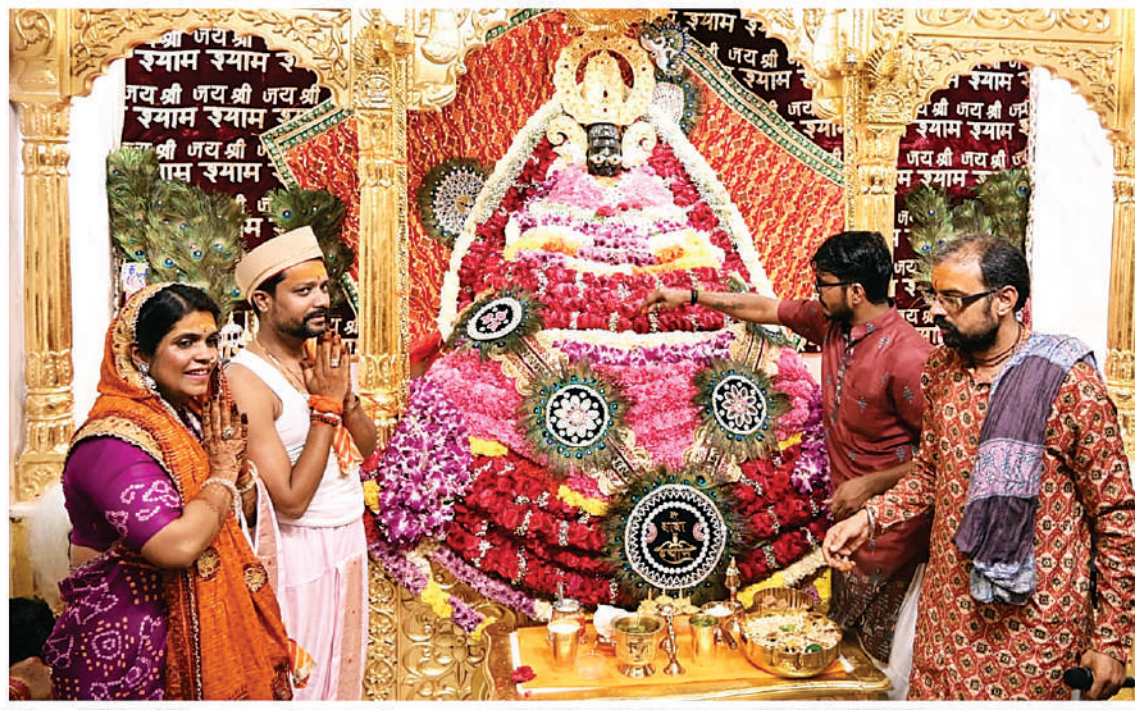









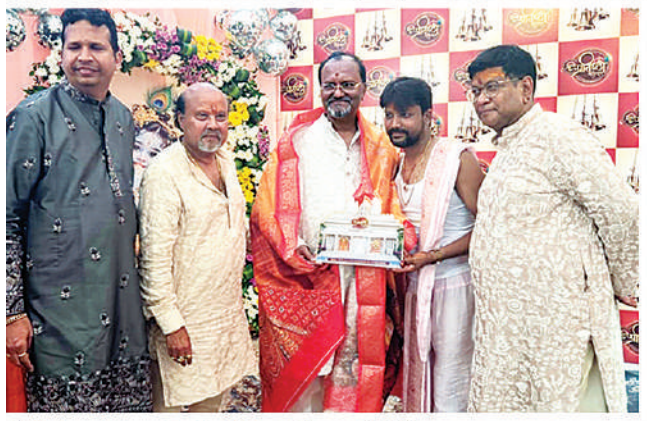

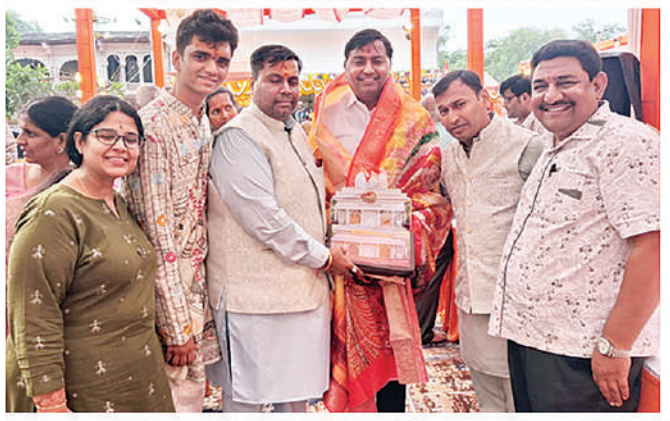

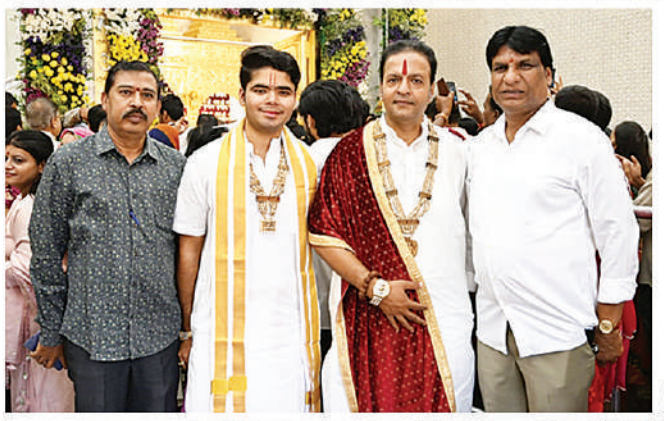









माँ जीण माता और बाबा श्याम के दिव्य विग्रहों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा

श्री हनुमान जी की प्राचीन मूर्ति का पुनः प्रतिष्ठापन एवं मंदिर का जीर्णोद्धार,

अनुराग सिंह ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं से परिपूर्ण वह ऐतिहासिक दिवस 26 नवंबर को साकार हुआ, जिसका चूड़ी धाम के भक्तों को लंबे समय से इंतजार था। श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का मुख्य समारोह गुरुवार को श्री खेमदास मठ, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार में अत्यंत भव्यता एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा तथा माँ जीण माता और बाबा श्याम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

मुख्य दिवस पर सर्वप्रथम मंडल देवियों की पूजा एवं मूर्ति अनुष्ठान संपन्न हुए। तत्पश्चात यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ प्राण प्रतिष्ठा के पावन संस्कार प्रारंभ हुए। वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के बीच माँ जीण माता तथा श्री श्याम बाबा के दिव्य विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। माँ जीण माता की प्राण प्रतिष्ठा का संस्कार श्री गिरिश गुप्ता एवं उनके परिवार ने श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया, वहीं श्री श्याम बाबा की प्राण प्रतिष्ठा श्री विनय जैन एवं उनके परिवार द्वारा संपन्न कराई गई। शिखर ध्वज स्थापना एवं उत्तर पूजा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्णता हुई।

इस अवसर पर श्री रूपेश अग्रवाल एवं श्री रितेश संघी के परिवारों द्वारा श्री हनुमान जी की प्राचीन मूर्ति का पुनः प्रतिष्ठापन भी कराया गया। मंदिर का जीर्णोद्धार कर उसे नवीन स्वरूप प्रदान किया गया तथा प्राचीन मूर्ति को विधि-विधान से पुनः प्रतिष्ठित किया गया। इस प्रकार माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के दो दिव्य विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा तथा श्री हनुमान जी की प्राचीन मूर्ति का पुनः प्रतिष्ठापन संपन्न हुआ।

समारोह महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी, मठाधीश खेमदास मठ के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा के यज्ञाचार्य पंडित श्री भंवरलाल शर्मा, हैदराबाद तथा श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा के यज्ञाचार्य ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश शर्मा, महामाया, मुंबई ने वैदिक विधि-विधान से अनुष्ठानों का संचालन किया।

इस पावन अवसर पर माननीय श्री अनुराग सिंह ठाकुर, श्री टी. राजा सिंह, विधायक गोशामहल, श्री बद्दम महिपाल रेड्डी, श्री अविनाश देवड़ा तथा भाजपा नेता श्री लड्डू यादव सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने पधारकर समारोह की गरिमा बढ़ाई। रसिया बाबा जी, श्री पराशर जी एवं श्री प्रकाश जी पराशर, पुजारी श्री जीण माता मंदिर, तथा श्री डी.पी. चावला, खाटू श्याम जी से पधारे संत-महात्माओं एवं श्रद्धेय व्यक्तियों का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ।

सामाजिक मंचों से पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन श्री अरुण डाकोतिया, प्रमुख समाजसेवी श्री नरेंद्र कुमार गोयल तथा केंद्रीय शांति समिति से जुड़े श्री शशिकांत अग्रवाल ने उपस्थित होकर सहभागिता प्रदान की। समाज के अनेक सम्माननीय पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में भाग लिया।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के निदेशकगण श्री गिरिश कुमार गुप्ता, श्रीमती रुचिता गुप्ता, श्री विनय जैन, श्रीमती नविता जैन, श्री संदीप कुमार जैन, श्रीमती स्वाती जैन, श्री विकासचन्द्र जैन, श्री रमाकांत गोयल, श्री दीपक कुमार गुप्ता, श्री प्रतीक कुमार नारसरिया तथा परामर्शदाता श्री दिलीप कुमार जैन उपस्थित रहे। ट्रस्ट के संरक्षक ट्रस्टी श्री रितेश संघी तथा ट्रस्टी श्री प्रवीण गोयल सहित ट्रस्ट के अन्य ट्रस्टी भी समारोह में शामिल हुए। संरक्षक सदस्यों में श्री मोहित अग्रवाल, श्री सुनील कुमार अग्रवाल एवं श्री अमित अग्रवाल उपस्थित रहे। ट्रस्ट के सदस्य श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल, श्री आनंद कुमार अग्रवाल, श्री प्रकाश चंद, श्री श्यामरत कुमार अग्रवाल, श्री अमित कुमार अग्रवाल, श्री मनोज कुमार कोठिया, श्री सोमचंद, श्री कन्हैया अग्रवाल, श्री रोहन सिंघल, श्री प्रदीपचंद संघी, श्री चन्द्र प्रकाश कोठिया, श्री अनुराग अग्रवाल तथा श्री संजय गुप्ता (दिल्ली वाले) सहित अन्य सदस्य एवं सेवाभावी परिवारों ने आयोजन में सहभागिता की।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात दोपहर 1 बजे से भव्य भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अनेक श्याम प्रेमियों एवं भक्तों की उपस्थिति ने समारोह को और अधिक भक्तिमय बना दिया।

चूड़ी धाम में माँ जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की प्राण प्रतिष्ठा, श्री हनुमान जी की प्राचीन मूर्ति के पुनः प्रतिष्ठापन तथा मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ यह महोत्सव भाग्यनगर के धार्मिक इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

घर देगा संदेश...



आज के समय में घर सिर्फ रहने का ठिकाना नहीं है। न ही यह सिर्फ एक छत का नाम है जिसके नीचे हमारा संसार है। घर भी अब अपना संदेश देने की कोशिश कर रहा है। अब मनुष्य प्रकृति के साथ रहकर आधुनिकता की परिभाषा लिखने की कोशिश कर रहा है। घर बाहर और भीतर सब तरफ से बदल रहा है और यह बदलाव घर में रहने वालों की बदलती सोच को भी दर्शा रहा है। अब घर को सजाने के लिए जहां सजावट पर जोर दिया जा रहा है , वहीं अपनी संस्कृति और इतिहास को खंगालने की भी कोशिश की जा रही है।

त्योहार शुरू हो चुके हैं। दीपावली करीब है। घर की साज सज्जा कुछ खास होती है। अब घर सिर्फ रहने का ठिकाना नहीं है। न ही यह सिर्फ एक छत का नाम है जिसके नीचे हमारा संसार है। घर भी अब अपना संदेश देने की कोशिश कर रहा है। हमारी आंखें उस संदेश पढ़ने में कामयाब हैं। दरअसल यह संदेश घर की साजसजावट के जरिये हमारी आंखों के पास आ रहा है। कभी हम घर की कलात्मकता के कायल हो रहे हैं तो कभी घर में सहेज कर रखी गई चीजें हमें अपने अतीत को जानने का मौका दे रही हैं। हम बारिश के पानी को बचाने के बारे में सोच रहे हैं और सूरज की रोशनी से घर का खाना पकाना चाहते हैं। मिट्टी के घर लोगों को लुभा रहे हैं जहां वे उसमें आधुनिक साजोसामान के साथ रहना चाहते हैं। अब मनुष्य प्रकृति के साथ रहकर आधुनिकता की परिभाषा लिखने की कोशिश कर रहा है। घर बारह और भीतर सब तरफ से बदल रहा है और यह बदलाव घर में रहने वालों की बदलती सोच को भी दर्शा रहा है।

बदल रहा नजरिया



इन दिनों घर की साजसज्जा को लेकर लोगो का नजरिया बदल रहा है। ग्लोबल दुनिया में हर कोई अपने घर को एक अलग अंदाज में दिखाने की कोशिश कर रहा है फिर चाहे वह सिलेब्रिटी होम हो या फिर सामान्य घर। समय की इसी मांग को ध्यान में रखते हुए हर साल कुछ नए रंग और डिजाइन पेश किए जाते हैं जिनको हर कोई फॉलो करता है फिर चाहे वह फैशन डिजाइनर हों या फिर इंटीरियर डिजाइनर। इन दिनों जो होम डेकोर ट्रेंड हैं उसमें इको फ्रेंडली थीम पर ज्यादा जोर है। दूसरा नंबर व्यक्तिपरक भौतिकतावादी दृष्टिकोण को अपनाने वालों का है। तीसरे नंबर पर है पीरियड फ्यूजन। इसके अलावा एंटीक लाइटिंग, डेकोरेटिव हेंडीक्राफ्ट एक्सेसरीज, मेटल क्राफ्ट, सिल्क पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी के साथ अलग अलग संस्कृतियां भी एक मंच पर नजर आ रही हैं जैसे कश्मीरी, राजस्थानी, आदिवासी एक ही घर में साथ साथ हैं। माड्यूलर फर्नीचर लोगों की पहली डिमांड है यह किचन से लेकर हर कमरे में अपनी जगह बना चुका है। फ्लोरल प्रिंट, एनीमल प्रिंट सबसे ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। नेचर फ्रेंडली के तहत सोलर लाइटिंग, रेन वाटर हावेस्टिंग, रिसाक्लिंग क्राफ्ट भी हर घर में हो ऐसी कोशिश की जा रही है।

कला का बाजार

दूसरी तरफ रुख करें तो कला का बाजार बढ़ा है। देश- विदेश की कलाएं विभिन्न रूपों में हमारे घरों में सजी हैं। फिर चाहे वह वाल हैगिंग हो या फिर झाड़ फानूस। लोक कला भी कई रंगों में अपनी छटा बिखेर रही है। फिल्म और सीरियल में दिखाए जा रहे घर अब सिर्फ सेट भर नहीं रह गए हैं। लोगो ने उस तरह से अपने घर को भी सहेजना शुरू कर दिया है। बालिका वधू में दिखाया गया झूला अब आम घरों में भी दिखाई दे रहा है। इसी तरह गणेश, लाफिंग बुद्धा, दिए और मोमबत्ती घर के दरवाजे में प्रतीक्षा कर रहे हैं। मिट्टी की छोटी छोटी घंटियां बंदनवार के रूप में घर घर में सज रही हैं। फैंगशुई भी उसी तरह से हर घर की शोभा बन गया है। सिर्फ घर ही नहीं रेस्तरां, होटल और शोरूम भी सजावट के लिए सजग हो गए हैं।



इंटीरियर में बदलाव

घर की साजसज्जा को लेकर इंटीरियर में काफी बदलाव आया है जो हमेशा बदलता रहता है इसीलिए लोग कम बजट के साथ अपने घर को हमेशा नएपन से भरना चाहते हैं। मार्केट में इस समय जो ट्रेंड चल रहे हैं उसमें सबसे ज्यादा प्रचलन में मॉडर्न लुक ही है। खासकर फ्लैट में मॉडर्न लुक की मांग ज्यादा है। इसके अंतर्गत कमरे को ब्राइट कलर और बोल्ड पैटर्न में डिजाइन किया जाता है। खिड़कियों पर स्ट्राइप्ड परदे और कुशन भी उसी फ्रेब्रिक के होने चाहिए। पिंक और व्हाइट का कॉम्बिनेशन बड़ा सुकून देता है। फ्लोरल पैटर्न के कुशन पिंक और व्हाइट में रखें। सोफे की अपहोलस्ट्री न्यूट्रल कलर की रखें। यह किसी भी थीम में शामिल हो सकती है। अपने लैंपशेड्स को स्ट्राइप्ड और फ्लोरल में माउंट प्रिंट में बनवाएं। बच्चों के कमरों में बोल्ड ज्योमैट्रिक प्रिंट बहुत जंचते हैं। स्टारशेप के कुशन कवर पर पोलका डाट होने से कमरे की रौनक बढ़ जाती है। बच्चों के कमरे में पिन बोर्ड का होना जरूरी है। पिन अप बोर्ड को उसी कपड़े से माउंट करें।

मॉडर्न और ट्रेडीशनल लुक

मॉडर्न और ट्रेडीशनल लुक के लिए बच्चों के कमरे में दरी या चटाई पर रखे कुशन बहुत ही कैजुअल और कूल लुक देते हैं। फ्लोर अरेजमेंट घर के किसी कमरे में बहुत कूल लगता है। ड्राइंगरूम में फ्लोर अरेजमेंट ऑरेंज और रेड कुशन से करें। इसके पास प्लांटर और फ्लोर लैंप रखें। बोल्ड कलर के कुशन रूम की शोभा के साथ एक फोकस पाइंट भी बन सकते हैं। सीलिंग से हैंगिग ग्लोब कमरे की शोभा को बढ़ाते हैं। कमरे को कूल लुक देने के लिए पीयर कर्टेन लगाएं। बैड के हैड बोर्ड के साथ कुशन को अलग-अलग रंगों में अरेंज करें। हमेशा ध्यान रखें कि कलर एक ही फेमिली के हों। सिल्क और वैलवेट कुशन हमेशा रिच लुक देते हैं और कमरे को आकर्षक बनाते हैं। यह ट्रेडिशलन भी लगते हैं। मार्डन लुक के लिए स्ट्रैप्स वाले पर्दे और कुशन कवर लगाएं। बैडरूम की एक दीवार पर फेमिली फोटो लगाएं और बारी बारी से बदलते रहें।



कहीं बीमार न कर दे कंप्यूटर

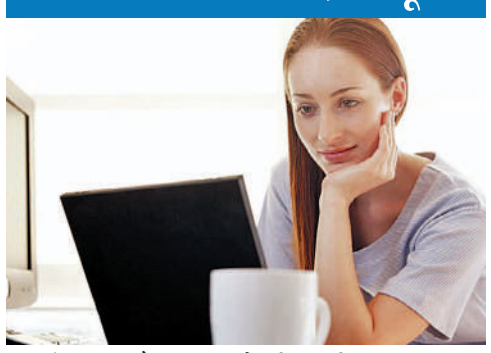

कंप्यूटर व लैपटॉप युवाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इंटरनेट के कारण युवा चौबीस घंटे इन उपकरणों से जुड़े रहते हैं, जो उनमें कई तरह की शारीरिक व मानसिक समस्याओं की वजह बन रहा है।

मेंटल सेचुरेशन और स्मरणशक्ति पर प्रभाव: मनुष्य के दिमाग की कार्यशैली का आवश्यक अंग है उसका आराम करना। इंसानी मस्तिष्क को हर 45 मिनट में एक छोटे से ब्रेक की जरूरत होती है, इस दौरान तब तक एकत्र की गई जानकारी प्रोसेस होकर स्मरणशक्ति में बदल जाती है। कंप्यूटर जैसे उपकरणों का लगातार इस्तेमाल हमारी इसी कार्यप्रणाली पर चोट करता है, जिससे कमजोर स्मरणशक्ति व अल्जाइमर जैसी समस्याएं सामने आती हैं। मानसिक रोगों की पहचान के लिए किया जाने वाला डीएसएम फाइव सिस्टम भी कंप्यूटर और इन्टरनेट के इस्तेमाल को लत की तरह ही परिभाषित करता है। कंप्यूटर पर हेडफोन के साथ देर तक काम करने से हर समय लगता है कि कानों में कुछ गूंज रहा है। नींद आने में भी परेशानी होती है।

बड़ी उम्र के लक्षणों का कम उम्र में दिखना: कंप्यूटर और लैपटॉप के ज्यादा इस्तेमाल से उम्र का असर जल्दी दिखने लगता है। व्यक्ति उम्र से बड़ा दिखता है। शारीरिक सक्रियता घट जाती है और आलस बढ़ता है, जिसका नतीजा जोड़ों व कंधों के दर्द के रूप में सामने आता है।

आंखों को नुकसान: कंप्यूटर और लैपटॉप की स्क्रीन से लगातार सॉफ्ट रेडियेशन किरणें निकलती रहती हैं, जिनका आंखों पर बुरा असर पड़ता है। हमारी आंखों के बाहरी हिस्से पर पानी जैसा एक द्रव्य पाया जाता है, जिससे हमारा दृश्य साफ होता है। इसकी कमी से दृष्टि दोष व आंखों में दर्द व खारिश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इससे बचने के लिए आंखों को आराम देना होता है, जो पलकों के झपकने से उन्हें मिलता है। लेकिन कंप्यूटर स्क्रीन का इस्तेमाल करते समय हम अक्सर पलकों को झपकाना भूल जाते हैं। इन रेडिएशन किरणों से व्यक्ति को दूर दृष्टि दोष होने की आशंका बढ़ जाती है।

कंधों व जोड़ों का दर्द: यदि आप अधिक देर तक कंप्यूटर पर काम करते हैं तो जरूरी है कि पॉस्चर को सही रखें। सही तरीके से न बैठने से जहां जोड़ों, कमर व कंधों के दर्द की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, वहीं रीढ़ की हड्डी को भी नुकसान पहुंचता है।

प्लेन कुर्ती के साथ प्रिंटेड दुपट्टा...



फैशन आए दिन बदलता रहता है। कभी लॉन्ग तो कभी शॉर्ट ड्रेस का सिलसिला चलता है। आजकल लॉन्ग और प्लेन कुर्ती का फैशन जोरो पर है। ऑफिस हो या पार्टी यह ड्रेस हर मौके पर बहुत खूबसूरत लगती है। इसके साथ दुपट्टे की बात की जाए तो प्रिंटेड दुपट्टा या स्टॉल के साथ इनकी ग्रेस और भी बढ़ जाती है। लाल,हरे ,पीले,ग्रे और किसी भी रंग के प्लेन कुर्ते के साथ जयपुरी,फ्लोरल,एनीमल प्रिंटिड दुपट्टा वियर कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस सिंपल होने के साथ-साथ आपकी पर्सनैलिटी में भी में भी चार चांद लगा देती है। इसके अलावा आप दुपट्टे को किसी भी मैच करते कलर के साथ वियर कर सकती हैं।

फैशन के साइड इफेक्ट...



फैशन के इस दौर में महिलाए किसी से भी पीछे नही रहना चाहती। कपड़े,जूते,ज्वैलरी,हेयर स्टाइल या फिर शेड्स सब कुछ ट्रैंडी होना जरूरी है। जबकि फैशन और कंफर्ट का कोई नाता नही है। आप भी इस बात को मानती हैं कि स्टाइल के साथ आराम को नजरअंदाज करना पड़ता है तो कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है। आजकल चोकर स्टाइल ज्वेलरी खूब चलन में है। यह पहनी हुई तो बहुत स्टाइलिश लगती है लेकिन इसे पहनने से गले को नुकसान भी हो सकता है। यह गले के साथ बिल्कुल फिट होती है। अपने आपको एटरेक्टिव लुक देने के लिए आजकल महिलाएं शेपवियर का इस्तेमाल करती हैं लेकिन लगातार इनके पहने रहने से बॉडी पेन भी हो सकता है। कुछ लोग पियर्स पहनने के बहुत शौकिन होते हैं। यह स्टाइलिश तो लगते ही हैं लेकिन कान के ऊपर की हड्डी के पास पियर्सिंग करवाना कॉफी दर्द भरा होता है। कपड़ों के साथ स्टाइलिश लुक के लिए हाई हील्स वियर की जाती हैं। कई बार तो इसे पहनने से पैरों में दर्द की शिकायत हो जाती है।

रफ्फल स्टाइल ड्रेसेज...



अगर आप वैस्टर्न कपड़े पहनने की शौकीन हैं तो आपको बता दें कि इन दिनों रफ्फल स्टाइल ड्रेसेज खूब चल रही हैं। वैसे आपने एक्ट्रेस को रफ्फल स्टाइल ड्रेसेज पहने देखा होगा। ऐसी ड्रेसेज में लुक भी एकदम रॉयल आता है। हॉलीवुड हो या बॉलीवुड किसी अवॉर्ड फंक्शन में रफ्फल स्टाइल गाऊन आम देखने को मिलते हैं। अगर आप किसी खास रिसेप्शन पार्टी या आफिशयल पार्टी में हिस्सा लेने जा रही हैं और कुछ कंफर्टबल पहनना चाहती हैं तो रफ्फल स्टाइल गाऊन पहन सकती हैं। फ्रील वाले फ्लोरल लैंथ गाऊन बहुत ही अट्रैक्टिव लगते हैं। वैसे तो इन दिनों वन शोल्डर गाऊन और वनपीस भी चल रहे हैं, जिसका एक शोल्डर रफ्फल स्टाइल में बना होता है। आप फॉर्मल स्टाइल में भी रफ्फल टॉप या स्कर्ट का चुनाव कर सकती हैं। फ्रील स्टाइल टॉप के साथ फ्लेयर्ड पलाजो पैंट्स भी आपको क्लासी लुक देगा।

इंडियन थीम



पीतल के दीपक, घंटियां और डेकोरेटिव प्लेट्स, इंडियन थीम के हाइलाइट्स हैं। ड्राइंग रूम की सेंटर टेबल पर दीपक रखकर गुलाब के फूलों का अरेजमेंट बहुत सुकून देता है। पीतल के बर्तन में पानी और गुलाब की पंखुड़ियां डाल कर उसमें एसेंस डालें। आजकल एरोमा आयल और अरोमा कैडल्स का चलन है। इससे वातावरण अच्छा लगता है। टेबल मैट्स लगाएं। मिरर वर्क टेबल पर अच्छा लगता है। डाइनिंग रूम में क्रिस्टल बॉल रखें और उसमें कलर फुल ग्लास बॉल डालें। डाइनिंग टेबल घर के सेंटर में होनी चाहिए। राजस्थान इंडियन थीम का बेस है बांधनी प्रिंट। बंधेज के कुशन कवर किसी भी कमरे की शोभा हैं। झूला तो बहुत ही आकर्षक लगता है।

कलर थीम



कलर थीम में रंगों के संयोजन पर जोर दिया जाता है। इंटीरियर डिजाइनर मानते हैं कि रंगों का मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। रंग संवाद करते हैं और हमारी भावनाओं को भी व्यक्त करते हैं। सुख-दुःख, अवसाद, उल्लास सब रंगों द्वारा ही व्यक्त होते हैं। इसीलिए प्रकृति में इतने रंग हैं और रंगों के भी कई सारे शेड्स। कभी गौर से देखिए और सोचिए कि प्रकृति और ऋतुओं का क्या मेल है। फूल हंसते क्यों हैं और पतझड़ आता क्यों है। हमारा घर, आसपास, ऑफिस सब खुशियों से भरा रहे और एक सकारात्मक ऊर्जा वहां हो इसीलिए रंगों और वास्तु ज्ञान का तालमेल होना चाहिए। लाल रंग ऊर्जा बढ़ाता है तो पीला प्रसन्नता और खुशी को दर्शाता है। नीला रंग शांति का प्रतीक है और स्थिरता का भी। हरा रंग आंखों को शांति देता है, बैंगनी रंग एश्वर्य और आधुनिकता का प्रतीक है तो गुलाबी मौजमस्ती और उत्तेजना का।

वास्तु थीम

दिशा का बड़ा महत्व है क्योंकि पृथ्वी पर मुख्य ऊर्जा केवल सूर्य है। सूर्य की गति के कारण घर की ऊर्जा बदलती रहती है। इसी सिद्धांत पर आग्नेय कोण की कल्पना की गई है इसके लिए घर का दक्षिण पूर्व का कोना उपयुक्त माना जाता है। आग्नेय कोण पर घर की रसोई बनाना ठीक रहता है। इशान कोण पर पूजा घर होना चाहिए। घर का केंद्रीय स्थान बहुत महत्वपूर्ण है इसको ब्रह्म स्थान भी कहा जाता है यह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मनुष्य के शरीर मे हृदय का स्थान। नैतृत्व कोण में घर का टायलेट, बाथरूम होना चाहिए।

आध्यात्मिक थीम



आध्यात्मिक थीम में कृष्ण, साईबाबा, गणेश, लक्ष्मी, दुर्गा, तिरुपति बालाजी की मांग ज्यादा है। लोग इनको समृद्धि और विघ्न विनाशक के रूप में देख रहे हैं। इसीलिए घर को सजाने के लिए लोग इनकी पेंटिंग का प्रयोग कर रहे हैं। दूसरे लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार एसएमएस और ईमेल भी किए जा रहे हैं। इस तरह यह खुद ब खुद एक थीम बनता जा रहा है।

फोक आर्ट थीम



फोक आर्ट थीम में हम अपने देश की आदिवासी कला को ही महत्व नहीं दे रहे हैं अफ्रीका की आदिवासी कला भी हमारी पसंद में शामिल हो रही है। यह सब पेंटिंग,वॉल हैंगिंग, चादर, और पर्दो में दिखाई दे रही हैं ।

चाइनीज थीम

इस थीम में बुद्ध की प्रतिमा, मोमबत्तियां, क्राफ्ट, क्रिस्टल, डेकोरेशन लैंप, तैल चित्र, फोटोफ्रेम, पेंटिंग का प्रयोग ज्यादा होता है। कुल मिलाकर कहें तो घर को सजाने के लिए जहां सजावट पर जोर दिया जा रहा है वहीं अपनी संस्कृति और इतिहास को खंगालने की भी कोशिश की जा रही है। इतिहास सिर्फ पढ़ने का विषय नहीं रहा। अब हम इतिहास की साज सज्जा के पहलुओं को भी गौर से देख रहे हैं। मुगल कालीन शिल्प और सज्जा इंटीरियर डिजाइनर की सबसे पहली पसंद बनता जा रहा है।

क्या यूनिक पहनें इस बार...?

त्यौहारों का सीजन शुरू होते ही महिलाओं के मन में ख्याल आता हैं कि इस बार क्या यूनिक पहनें। महिलाएं ऐसे आउफिट पहनना पसंद करती हैं जो यूनिक और स्टाइलिश हो। अगर आप भी इस त्योहार में छा जाना चाहती हैं तो कई लेयर वाले कपड़े या स्टाइलिश कमर बेल्ट का चुनाव कर सकती हैं। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं, जिससे आप भी इन त्योहारों में खूबसूरत परिधानों को पहनकर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

लंबे लेयर के परिधान

केप्स, इनबिल्ट दुपट्टा, ट्रेल्स आदि विभिन्न लंबे लेयर के डिजाइनर परिधान स्टाइल में बदलाव ला सकते हैं। लहंगा, अनारकली और लच्छा जैसे बुनियादी और आए दिन त्योहारों में पहने जाने वाले परिधानों को डिजाइनरों ने नए आकर्षक डिजाइन में पेश किया है।

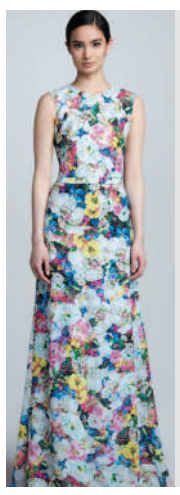

प्रिंट वाले लंबे परिधान

केप्स के साथ प्रिंट वाले , पेपलम्स से सजे खूबसूरत स्कर्ट, लच्छे के साथ कई तह वाला लहंगा, दुपट्टे के साथ लहंगा, ट्रेल्स वाला ब्लाउज, पारदर्शी दुपट्टे के साथ कोल्ड शोल्डर और ऑफ शोल्डर चोली आदि कुछ खास शैलियों वाले परिधान हैं जो इन त्योहारों पर छाए रहेंगे।





सिल्क, जार्जेट, शिफॉन

शिफॉन, कच्चा सिल्क और टूले आदि इस सीजन के प्रमुख कपड़े हैं। अधिकांश डिजाइनरों ने परिधानों के साथ कमर बेल्ट को शामिल किया है। पेस्टल रंगों के साथ गहरे रंगों वाले परिधान खूबसूरत लगते हैं। जब आप गहरे रंगो के साथ हल्के पेस्टल रंगों के परिधान पहनेंगी तो इसमें कोई शक नहीं कि आप बेहद खूबसूरत दिखेंगी।



बांधनी प्रिंट वाली ड्रेस

आप चाहे तो इस फेस्टिवल सीजन बांधनी प्रिंट वाली ड्रेस कैरी कर सकती है। बांधनी प्रिंट को कहीं भी और कभी भी कैरी किया जा सकता है। फेस्टिवल की धूम में इसकी चमक सबसे ज्यादा दिखाई देती है। बांधनी प्रिंट ज्यादातर साड़ियों में ही दिखाई देता है। बांधनी प्रिंट को टाई एंड डाई प्रोसेस भी कहा जाता है। आप इसे लंहगे-चोली, सूट्स और पलाजो हर एक आउटफिट के साथ कैरी कर सकती है। इसे पहनकर आप इस फेस्टिवल सीजन में अलग ही दिखेंगी। आप चाहें तो बांधनी प्रिंट जंप सूट ट्राय कर सकती हैं। बांधनी प्रिंट को सलवार के साथ कैरी की जा सकता है। सलवार के साथ जैकेट पहन सकती हैं।

अच्छे कोलैस्ट्राल को बढ़ाता है अखरोट



अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडैंट्स और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं। अखरोट का तेल कई रूपों में काम में लिया जाता है। इसका तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

* अखरोट में मोनोसैचुरेटिड फैट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बुरे कोलैस्ट्राल को कम कर अच्छे कोलैस्ट्राल को बढ़ाता है।
* हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसदी ओमेगा-3 फैटी एसिड्स भी मिलते हैं। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक का खतरा कम होता है।
* अखरोट का सेवन ब्रैस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। ये यौगिक कैंसर, बुढ़ापे, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाते हैं।
* अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक ऑक्सीजन से सुरक्षा देता है। विटामिन ई के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लैक्स समूह के शीबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड, विटामिन बी 6 और फोलेट्स।
* अखरोट मिनरल्स का भी बेहतरीन स्रोत माना जाता है। जैसे मैंगनीज , कॉपर, पोटाशियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और सेलेनियम। प्रतिदिन मुट्ठी भर अखरोट आपके शरीर को मिनरल्स, विटामिन्स और प्रोटीन्स प्रदान करते हैं।
* अखरोट के तेल में बेहतरीन खुशबू होती है। यह तेल त्वचा के सूखेपन को दूर करता है।

संपादकीय

पंजाब का 'सनातन' गठबंधन

पंजाब में भाजपा-अकाली दल (बादल) का गठबंधन कोई नया नहीं है। यह गठजोड़ जनसंघ के समय से रहा है। बेशक बीते छह साल अलगाव की स्थिति रही, लेकिन दोनों दलों के शीर्ष नेताओं-अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, प्रकाश सिंह बादल-का 'दोस्ताना' पांच दशकों से अधिक पुराना था। वे केंद्र की जनता पार्टी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। 1996 में जब भाजपा लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री बनने का पहला मौका मिला, तब भाजपा-अकाली दल का विधिवत गठबंधन हुआ। वाजपेयी ने उसे 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन' (एनडीए) नाम दिया। तब महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी एनडीए का घटक बनी। दरअसल इन राष्ट्रवादी मानस के दलों का गठबंधन 'नैसर्गिक', 'सनातन', 'स्वाभाविक' रहा है। बेशक आज आडवाणी ही हमारे बीच मौजूद हैं और वह उम्र के 100वें साल में प्रवेश कर चुके हैं। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद वह और कई अन्य दिग्गज भाजपा नेता निष्क्रिय कर 'मार्गदर्शक' बना दिए गए हैं। परिवारों में भी ऐसा ही होता है। बहरहाल भाजपा-अकाली दल (बादल) का नए सिरे से गठबंधन हुआ है, क्योंकि फरवरी, 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अध्यादेश के जरिए जब कृषि के तीन कानून लागू किए थे, तब प्रतिक्रिया में किसान आंदोलन करीब एक साल तक जारी रहा था। उसी दौर में 2020 में अकाली दल को भाजपा के साथ गठबंधन तोडना पड़ा, क्योंकि आंदोलन में पंजाब के किसान और जट्टसिख समुदाय अत्यंत सक्रिय थे और वही अकाली दल का जनाधारी वोट बैंक रहा है। नतीजतन 2022 में दोनों ने अलग-अलग विधानसभा चुनाव लड़ा और उनका 'सफाया' हो गया। अकाली 3 और भाजपा 2 विधायक ही जिता पाए। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा एक भी सांसद जिता नहीं सकी और बादल परिवार की बहू हरसिमरत कौर बठिंडा सीट से बमुश्किल जीत पाईं। अब चुनाव से पहले गठबंधन करना 'राजनीतिक मजबूरी' थी, क्योंकि प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व को ऐसी रपटें मिलती रहीं कि भाजपा और अकाली अलग-अलग जीत नहीं सकते, लिहाजा सरकार बनाने की लड़ाई 'आम आदमी पार्टी' (आप) और कांग्रेस के बीच केंद्रित हो जाएगी। कांग्रेस से भाजपा में आए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी 'ब्रीफ' किया और गठबंधन बनाने का आग्रह करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के साथ अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मुलाकातें भी हुईं। अंततः गुरु नानक देव जी के प्रकाश-पर्व और देव दीपावली के पवित्र दिन एक बार फिर गठबंधन की घोषणा की गई। अब पंजाब में राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। 'आप' सरकार में है और 2022 में उसे 92 सीटों का ऐतिहासिक, प्रचंड जनादेश मिला था। कांग्रेस अब भी एक ताकत है, लिहाजा चुनाव त्रिकोणीय होगा। तीन कृषि कानून प्रधानमंत्री ने 2021 में ही वापस ले लिए थे, लिहाजा अब यह मुद्दा प्रासंगिक नहीं है। भाजपा-अकाली 1997-2017 तक पांच चुनाव गठबंधन में लड़ चुके हैं, जिनमें तीन बार उनकी साझा सरकार बनी। भाजपा राज्य के हिंदुओं, शहरी और व्यापारी वर्गों में स्वीकार्य राजनीतिक दल है, जबकि ग्रामीण अंचल और पंथिक समुदाय में अकाली दल आज भी लोकप्रिय है। हालांकि पंजाब में राम-कृष्ण वाला 'हिंदूवाद' नहीं है। राज्य के 31-32 फीसदी दलित कई बार 'निर्णायक' साबित हुए हैं। बहरहाल जो पंजाब कभी देश का सर्वसम्पन्न राज्य होता था, आज उस पर करीब 4.50 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह राज्य के जीडीपी का 45 फीसदी है, जो अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा सर्वाधिक है। नशाखोरी इतनी बड़ी, जटिल, संवेदनशील समस्या है कि बीते पांच साल के दौरान 36,000 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। नशे के कारोबार के तस्कर और सिंडिकेट एक्टिविस्ट लोगों की हत्याएं करवा रहे हैं। पंजाब की शांति, सुरक्षा, स्थिरता आज भी नाजुक मुद्दा है।

1996 में जब भाजपा लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री बनने का पहला मौका मिला, तब भाजपा-अकाली दल का विधिवत गठबंधन हुआ। वाजपेयी ने उसे 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन' (एनडीए) नाम दिया। तब महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी एनडीए का घटक बनी। दरअसल इन राष्ट्रवादी मानस के दलों का गठबंधन 'नैसर्गिक', 'सनातन', 'स्वाभाविक' रहा है। बेशक आज आडवाणी ही हमारे बीच मौजूद हैं और वह उम्र के 100वें साल में प्रवेश कर चुके हैं। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद वह और कई अन्य दिग्गज भाजपा नेता निष्क्रिय कर 'मार्गदर्शक' बना दिए गए हैं। परिवारों में भी ऐसा ही होता है। बहरहाल भाजपा-अकाली दल (बादल) का नए सिरे से गठबंधन हुआ है, क्योंकि फरवरी, 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अध्यादेश के जरिए जब कृषि के तीन कानून लागू किए थे, तब प्रतिक्रिया में किसान आंदोलन करीब एक साल तक जारी रहा था। उसी दौर में 2020 में अकाली दल को भाजपा के साथ गठबंधन तोडना पड़ा, क्योंकि आंदोलन में पंजाब के किसान और जट्टसिख समुदाय अत्यंत सक्रिय थे और वही अकाली दल का जनाधारी वोट बैंक रहा है। नतीजतन 2022 में दोनों ने अलग-अलग विधानसभा चुनाव लड़ा और उनका 'सफाया' हो गया। अकाली 3 और भाजपा 2 विधायक ही जिता पाए। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा एक भी सांसद जिता नहीं सकी और बादल परिवार की बहू हरसिमरत कौर बठिंडा सीट से बमुश्किल जीत पाईं। अब चुनाव से पहले गठबंधन करना 'राजनीतिक मजबूरी' थी, क्योंकि प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व को ऐसी रपटें मिलती रहीं कि भाजपा और अकाली अलग-अलग जीत नहीं सकते, लिहाजा सरकार बनाने की लड़ाई 'आम आदमी पार्टी' (आप) और कांग्रेस के बीच केंद्रित हो जाएगी।

अकाली दल का ग्रामीण और सिख समाज में प्रभाव तथा भाजपा का शहरी हिंदू, व्यापारी और मध्यवर्गीय आधार एक-दूसरे के पूरक रहे

पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधनः सत्ता परिवर्तन की नई आहट

गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषित यह गठबंधन 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर सकता है। दोनों दलों का पुराना राजनीतिक रिश्ता, साझा शासन का अनुभव और एक-दूसरे के पूरक सामाजिक आधार इस गठबंधन को विशेष महत्व देते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होती, लेकिन इतना निश्चित है कि पंजाब में अब मुकाबला पहले की तुलना में अधिक रोचक, प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा और अकाली दल का संबंध राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के औपचारिक गठन से भी पुराना है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल के दौर में दोनों दलों ने जिस राजनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में सफल मॉडल बनी रही।

पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का छह वर्ष बाद फिर साथ आना केवल दो राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन की वापसी नहीं है, बल्कि यह पंजाब के बदलते राजनीतिक समीकरणों की महत्वपूर्ण आहट है, इससे आम आदमी पार्टी का संकट बढ़ेगा और पंजाब के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषित यह गठबंधन 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर सकता है। दोनों दलों का पुराना राजनीतिक रिश्ता, साझा शासन का अनुभव और एक-दूसरे के पूरक सामाजिक आधार इस गठबंधन को विशेष महत्व देते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होती, लेकिन इतना निश्चित है कि पंजाब में अब मुकाबला पहले की तुलना में अधिक रोचक, प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा और अकाली दल का संबंध राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के औपचारिक गठन से भी पुराना है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल के दौर में दोनों दलों ने जिस राजनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में सफल मॉडल बनी रही। अकाली दल का ग्रामीण और सिख समाज में प्रभाव तथा भाजपा का शहरी हिंदू, व्यापारी और मध्यवर्गीय आधार एक-दूसरे के पूरक रहे। इसी सामाजिक और राजनीतिक समीकरण के कारण दोनों दलों ने मिलकर पंजाब में कई बार सत्ता हासिल की। लेकिन 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के व्यापक आंदोलन के बीच यह रिश्ता टूट गया। अकाली दल ने भाजपा से दूरी बनाई और हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उस समय यह निर्णय किसानों की भावनाओं और पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में लिया गया था, लेकिन बाद के चुनावों ने यह भी दिखाया कि इस अलगाव की राजनीतिक कीमत दोनों दलों को चुकानी पड़ी। 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता पर शानदार ढंग से कब्जा किया। दूसरी ओर अकाली दल तीन और भाजपा केवल दो सीटों तक सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरे। कांग्रेस ने सात, आम आदमी पार्टी ने तीन और अकाली दल ने एक सीट जीती, जबकि भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि भाजपा का मत प्रतिशत करीब 18.6 प्रतिशत रहा और अकाली दल को भी लगभग 13.5 प्रतिशत वोट मिले। इससे स्पष्ट हुआ कि दोनों दलों के पास अलग-अलग पर्याप्त राजनीतिक आधार है, लेकिन अलग-अलग लड़ने पर वह वोट प्रभावी सीटों में परिवर्तित नहीं हो पा रहा है। अब छह वर्ष बाद दोनों दलों ने अपने अनुभवों से सबक लेते हुए फिर साथ आने का फैसला किया है। इसे राजनीतिक भूल-सुधार भी कहा जा सकता है और बदली परिस्थितियों की व्यावहारिक स्वीकृति भी। इस गठबंधन का सबसे बड़ा प्रभाव आम आदमी पार्टी पर पड़ना स्वाभाविक है। 2022 में आप को सबसे बड़ा लाभ विपक्ष के बिखरे होने से मिला था। कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे और सत्ता विरोधी मत एकजुट विकल्प में परिवर्तित नहीं हो पाए। अब भाजपा और अकाली दल के साथ आने से यह समीकरण बदल गया है। भाजपा का शहरी और मध्यवर्गीय आधार तथा अकाली दल का ग्रामीण संगठन और पारंपरिक जनसंपर्क यदि प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के पक्ष में वोट ट्रांसफर कर पाते हैं, तो आम आदमी पार्टी के लिए निश्चित रूप से चुनौती बढ़ेगी। यही कारण है कि इस गठबंधन को पंजाब की वर्तमान सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक खतरे की शुरुआत माना जा सकता है। भाजपा के लिए भी यह गठबंधन रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पंजाब में उसने अपना मत प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन उसे सीटों में बदलने में कठिनाई रही है। अकेले चुनाव लड़कर व्यापक ग्रामीण और सिख सामाजिक आधार तक पहुंच बनाना उसके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। अकाली दल के साथ आने से उसे पंजाब की स्थानीय सामाजिक संरचना में अधिक व्यापक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर अकाली दल के लिए यह गठबंधन राजनीतिक पुनर्जीवन का अवसर है। कभी पंजाब की राजनीति की निर्णायक शक्ति रहे अकाली दल का जनाधार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से कमजोर हुआ है। भाजपा के साथ लौटना उसके लिए केवल सत्ता में वापसी की कोशिश नहीं, बल्कि संगठन और कार्यकर्ताओं में नया विश्वास पैदा करने का अवसर भी है। फिर भी इस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। छह वर्ष पहले जिस कृषि कानून मुद्दे पर दोनों दल अलग हुए थे, अब उसी रिश्ते को पुनर्जीवित करने पर स्वाभाविक सवाल उठेंगे। अकाली दल को अपने मतदाताओं को समझाना होगा कि परिस्थितियां क्यों बदलीं और आज भाजपा के साथ आने का आधार क्या है। भाजपा को भी किसानों के साथ संवाद की नई और भरोसेमंद भाषा विकसित करनी होगी। लोकतंत्र में गठबंधन बनाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन जनता के विश्वास का सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी भी है। विचारधारात्मक मतभेदों के बावजूद साथ आना अपने आप में अवसरवाद नहीं है, समस्या तब होती है जब राजनीतिक दल अपने पुराने रुख और वर्तमान निर्णय के बीच कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे पाते। पश्चिम बंगाल और दिल्ली के राजनीतिक अनुभवों की पृष्ठभूमि में पंजाब का घटनाक्रम भाजपा की रणनीति को समझने का एक अवसर देता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबे समय से मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली शक्तियों के बीच अपनी जगह बनाई और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मजबूत सत्ता को चुनौती देकर सत्ता हासिल की। पंजाब में परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा अब यहां भी संगठन, गठबंधन और सामाजिक समीकरणों के माध्यम से सत्ता की संभावना तलाश रही है। अकाली दल का साथ इस रणनीति को स्थानीय आधार दे सकता है। लेकिन पंजाब की जनता केवल राजनीतिक गणित से प्रभावित नहीं होगी। किसान, युवा, रोजगार, नशा, उद्योग, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और राज्य की आर्थिक स्थिति जैसे मुद्दे चुनाव का वास्तविक आधार बनेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा-अकाली गठबंधन को कागज पर वोट जोड़ने से आगे बढ़कर जमीन पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को जोड़ना होगा। छह वर्ष तक अलग रहने के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हुई दूरी को समाप्त करना आसान नहीं होगा। नेतृत्व का समझौता हो जाना पर्याप्त नहीं है, बूथ स्तर तक राजनीतिक सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी होगा। यदि भाजपा कार्यकर्ता अकाली उम्मीदवार के लिए और अकाली कार्यकर्ता भाजपा उम्मीदवार के लिए पूरी निष्ठा से काम करते हैं, तभी गठबंधन की वास्तविक शक्ति सामने आएगी।



देश दुनिया से

पुतिन की बढ़ती अहमियत की क्या है वजह

एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग यानी एपेक की चीन के शहर शेनजेन में हुई शिखर बैठक वैश्विक परिघटना तो है ही, लेकिन इस बैठक के हिस्से एक और खासियत जुड़ गई है। इस दौरान तीन शीर्ष आर्थिक और सामरिक शक्तियों यानी अमेरिका, चीन और रूस के शिखर नेतृत्व का एक साथ आना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन यह बैठक एक और कारण से खास बन गई। यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका की आंख की किरकिरी रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर इस बार सबका ध्यान रहा। पुतिन से चीन की नजदीकी तो पहले से ही है, लेकिन इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी उनके साथ सहज दिखने और होने का प्रयास करते नजर आए। इसे पुतिन की आक्रामक विदेश नीति की सफलता के तौर पर देखा जाना स्वाभाविक है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के कुछ महीने पहले तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रूसी कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत और चीन को धमकाते रहे। उन्होंने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध भी छेड़ दिया। इससे चीन का अमेरिकी निर्यात घटा। चीन भले ही खुलकर स्वीकार न कर रहा हो, लेकिन अमेरिकी टैरिफ हमले के बाद चीन की फैक्टरियों के माल की मांग घट गई है। इसकी वजह से उन्हें अपना उत्पादन घटाना पड़ा। जिसके चलते चीन में बेरोजगारी भी बढ़ी है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर वैश्विक दबाव बनाने की कोशिश जारी रखी। इसके बावजूद चीन ने रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। चीन अपने कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का करीब 21.5 प्रतिशत हिस्सा रूस से ही मंगाता है। परिमाण के हिसाब से देखें तो यह आयात करीब 16 लाख से 24 लाख बैरल तक रोजाना रहा है। चूंकि वैश्विक तेल बाजार के लिहाज से रूसी कच्चा तेल सस्ता है, लिहाजा सिर्फ चीन ही नहीं, भारत ने भी वहां से तेल का आयात जारी रखा। तेल की कीमतों पर ओपेक देश नियंत्रण रखते हैं। लेकिन रूस इस नियंत्रण से खुद को बाहर रखे हुए है। चूंकि यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस पर आर्थिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में रूस को आर्थिक जरूरतों के लिए अपने तेल को वैश्विक बाजार की तुलना में सस्ती दरों पर आपूर्ति करना ही था। रूस के मुकाबले में खड़े यूक्रेन को जहां ब्रिटेन, फ्रांस और नीदरलैंड खुलकर हथियार और आर्थिक सहयोग दे रहे हैं, वहीं जर्मनी आर्थिक सहयोग जारी रखे हुए है। दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और हथियार निर्यातकों से मिल रहे सहयोग की बदौलत ही यूक्रेन की सेनाएं दुनिया के दूसरे नंबर की सैनिक ताकत रूस का मुकाबला कर पा रहा है। इस लिहाज से देखें तो पुतिन परोक्ष रूप से पूरे यूरोप का मुकाबला कर रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका का भी सहयोग रहा है। लेकिन वही अमेरिका अगर पुतिन के साथ शेनजेन में मंच साझा करने को मजबूर हुआ है तो निश्चित रूप से इससे पुतिन की ताकत और अहमियत का संकेत मिलता है। नवंबर के पहले हफ्ते में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुर बदला नजर आ रहा है। जिस रूसी राष्ट्रपति को कभी वे झुकाने की कोशिश करते थे, जिस रूस से तेल आयात करने वाले देशों के ट्रंप धमकाते रहते थे, उसी रूस के राष्ट्रपति के साथ वे गलबहियां करते दिख रहे हैं। वैश्विक कूटनीति के जानकार भी मान रहे हैं कि चीन और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व के साथ पुतिन की सीधी बातचीत और एशियाई बाजारों में रूस के बढ़ता व्यापार पुतिन के कूटनीतिक प्रभाव का विस्तार है। इसका यह मतलब नहीं है कि यूक्रेन संकट और वैश्विक शक्ति संतुलन की चुनौतियां खत्म हो गई हैं। चीन के शेनजेन में आयोजित अपेक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सक्रियता और वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बैठकों को लेकर वैश्विक मंच पर उनकी भूमिका को लेकर नई चर्चाएं भी उनकी अहमियत को ही दर्शाती हैं। बीबीसी और न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टों के मुताबिक, शेनजेन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक बड़ी कूटनीतिक घटनाक्रम है। इन रिपोर्टों के मुताबिक, रूस को फिर से प्रमुख महाशक्तियों के समूह में शामिल करने की ट्रंप की कोशिश और पुतिन को अपना 'दोस्त' बताने से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशें एक तरह से ध्वस्त हो गई हैं। इस बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक सुरक्षा को लेकर तीनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। चीन के आधिकारिक बयानों के अनुसार, इस बैठक में तीनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करने, ईंधन की आपूर्ति बढ़ाने और परमाणु हथियारों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर पुतिन की स्वीकार्यता और महत्ता स्थापित करने के पीछे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रूस का बढ़ता व्यापार भी एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अभी हाल ही में पुतिन ने कुछ बयान दिए थे, जिनके अनुसार वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में एशिया-प्रशांत देशों के साथ रूस के व्यापार में करीब एक तिहाई की बढ़त हुई है। ऊर्जा, अनाज और उर्वरकों की आपूर्ति के जरिए रूस स्वयं को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के अहम स्तंभ के रूप में पेश कर रहा है। बेशक भारत और रूस पारंपरिक दोस्त हैं। लेकिन पुतिन की निगाह भारत के विशाल मध्यवर्ग केंद्रित बाजार पर है। इसके साथ यूरेशिया के बाजारों में भी अमेरिका और यूरोप के देशों की तरह आक्रामक घुसपैठ करने की कोशिश में हैं। पुतिन चाहते हैं कि अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों के माल की तरह यूरोप और एशिया के साथ ही भारत के बाजारों में रूस का माल भी जमकर पहुंचे।



आप का नज़रिया

भाजपा की कोर कमेटी

चुनावों की हर पारी में भाजपा के नए प्रयोग चकित करते हैं और यही ऐसी तासीर है, जो सारा मुलम्मा बदल दे। हिमाचल भाजपा की कोर कमेटी तय करते हुए भाजपा ने नए संदेश दिए हैं। इक्कीस सदस्यीय कोर कमेटी में जबरदस्त कतरब्यौंत करते हुए शेष बचे चौदह नामों में कई गायब हैं, तो चुनाव आते-आते संकेत स्पष्ट हैं कि उम्मीदवारों की वकालत बदलेगी। कोर कमेटी के जरिए कसरतों को ऊर्जा और कसौटियों को नए पैमाने तय करने का स्थान दिया जा रहा है। दो पूर्व मुख्यमंत्रियों शांता कुमार व प्रेम कुमार धूमल को स्थान न मिलना साबित करता है कि पार्टी आगे की दौड़ के लिए अतीत का वजन कम कर रही है। कुछ चेहरों को हटाना कई तरह के संशय पैदा करता है। कांग्रेस से भाजपा में आकर सांसद बने हर्ष महाजन का सूची से नदारद होना उनकी अहमियत के रोशनदान बंद करता है, ऐसे में तरह-तरह की खिचड़ी पकाने के बाद क्या भाजपा अब अपने मूल और मौलिक चरित्र की तरफ लौट रही है। जिन परिस्थितियों में कांग्रेस से सीट छीन कर हर्ष महाजन राज्यसभा पहुंचे थे, उनसे तौबा करने का वक्त आ गया है या दलबदलुओं की महफिल से पार्टी हाथ खींच रही है। जो भी हो, यह कहानी बता रही है कि आने वाले चुनाव में भाजपा के टिकटों का आवंटन कितनी कठिन परीक्षा लेने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समेत लोकसभा सांसदों में सुरेश कश्यप, अनुराग ठाकुर तथा डा. राजीव भारद्वाज तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राज्यसभा सांसद डा. सिकंदर कुमार, प्रदेश महामंत्री (संगठन) सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य और संजीव कटवाल शामिल हैं। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती तथा विधायक विपिन सिंह परमार का नाम भी सूची में कई संभावनाओं को जोड़ रहा है। मोटे तौर पर कोर कमेटी आने वाले चुनावों के सामने भाजपा का थिंक टैंक खड़ा कर रही है और इस लिहाज से कहीं समीकरण बन रहे हैं, तो कहीं आशंकाएं भी पनप रही हैं। कम से कम सत्तारूढ़ कांग्रेस के सामने अपनी प्रस्तुति में भाजपा ने बता दिया कि आगामी चुनाव किस तरीके व लहजे में लड़ा जाएगा। कोर कमेटी में कई आश्वासन, संगठन की ताकत और चुनाव लडने का सामथ्र्य दिखाई दे रहा है। केंद्रीय स्तर पर हो रही निगरानी का अर्थ हम कोर कमेटी के सिग्नल में देख सकते हैं, जबकि राज्य के नेतृत्व में सहमतियों का एक संतुलन बनाया जा रहा है। अभी तक के सफर में पार्टी का सत्ता से मुकाबला अगर रहा, तो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की कमान सदन और सदन से बाहर सशक्त हुई। यह इसलिए भी कि सत्ता पक्ष ने अपने रुतबे के सामने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का ही मुकाबला किया। ऐसे में कांग्रेस की निगाह में मुकाबले की हर तहरीर फिलवक्त इसी नेता का पीछा करती है। अगर कोर कमेटी से निकल कर इस नेता के पक्ष में आवाज बुलंद होती है, तो कांग्रेस के खिलाफ प्रचार का शोर बढ़ सकता है, वरना ठहराव के पालने में कई अन्य संभावनाएं भी पल रही हैं। हिमाचल में जगत प्रकाश नड्डा की रुचि और केंद्र का प्रभाव है, जो बंद मुट्ठी में कई रहस्य छुपा कर रहता है। हिमाचल की एक आंख सांसद अनुराग ठाकुर के लंबे सफर में प्रदेश का मुकाम देखती है, तो कोर कमेटी में विपिन सिंह परमार की उपस्थिति से कांगड़ा अपने पंख खोलने की इच्छा कर सकता है। कुल मिलाकर यह तो साबित हो रहा है कि कोर कमेटी का अगर आगाज अलग है, तो आगे चलकर कुछ मुश्किल व आश्चर्यजनक निर्णय सामने आ सकते हैं। भाजपा कम से कम अपने नेतृत्व की गांठें खोलकर सामने आ गई है, तो क्या कांग्रेस भी अपनी बागडोर से प्रमुख नेताओं को ऐसे किसी कार्य में लगाएगी। बेशक सियासी अखाड़े में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कई फैसले चुनाव की धरती बदल रहे हैं, लेकिन चुनावी बारात में फिलहाल कांग्रेस के चेहरे कम हैं। भाजपा की कोर कमेटी के सामने कांग्रेस को भी अपना एक शक्तिशाली ग्रुप पेश तो करना ही पड़ेगा।

हिमाचल भाजपा की कोर कमेटी तय करते हुए भाजपा ने नए संदेश दिए हैं। इक्कीस सदस्यीय कोर कमेटी में जबरदस्त कतरब्यौंत करते हुए शेष बचे चौदह नामों में कई गायब हैं, तो चुनाव आते-आते संकेत स्पष्ट हैं कि उम्मीदवारों की वकालत बदलेगी। कोर कमेटी के जरिए कसरतों को ऊर्जा और कसौटियों को नए पैमाने तय करने का स्थान दिया जा रहा है। दो पूर्व मुख्यमंत्रियों शांता कुमार व प्रेम कुमार धूमल को स्थान न मिलना साबित करता है कि पार्टी आगे की दौड़ के लिए अतीत का वजन कम कर रही है। कुछ चेहरों को हटाना कई तरह के संशय पैदा करता है। कांग्रेस से भाजपा में आकर सांसद बने हर्ष महाजन का सूची से नदारद होना उनकी अहमियत के रोशनदान बंद करता है, ऐसे में तरह-तरह की खिचड़ी पकाने के बाद क्या भाजपा अब अपने मूल और मौलिक चरित्र की तरफ लौट रही है। जिन परिस्थितियों में कांग्रेस से सीट छीन कर हर्ष महाजन राज्यसभा पहुंचे थे, उनसे तौबा करने का वक्त आ गया है या दलबदलुओं की महफिल से पार्टी हाथ खींच रही है। जो भी हो, यह कहानी बता रही है कि आने वाले चुनाव में भाजपा के टिकटों का आवंटन कितनी कठिन परीक्षा लेने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समेत लोकसभा सांसदों में सुरेश कश्यप, अनुराग ठाकुर तथा डा. राजीव भारद्वाज तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राज्यसभा सांसद डा. सिकंदर कुमार, प्रदेश महामंत्री (संगठन) सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य और संजीव कटवाल शामिल हैं।

कुछ अलग

कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है

बेपर्दगी के इस जमाने में कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है। जमाने को तो जगभाता दिखाने का है। प्रदर्शन करके अपनी साख जमाने का है, लेकिन आप तो यह कहते चले आए, कि जनाब कुछ तो लिहाज रखिये। माना नकाब ओढ़ कर बुर्का पहन कर चलते रहने की बात तो हम नहीं कहते रहे। लेकिन सब कुछ लबादों में छिपा कर चलिये जनाब, यह लबादा और चोरी छिपे जीने की आदत ही पहाड़ ले जाती है। खुलेआम कौन जीता है। ऐसे जियोगे तो चेहरा बेनकाब होकर उनके मन में आपके बने आईने तोड़ देगा। हमें तो जिंदगी भर आईनों में एक बिंब से दूसरा बिंब ओढ़ कर जीने की आदत हो गई है। वैसे इसमें क्या गलत है। घर में चीखने चिल्लाने वाला हमारा एक शेर मर्द जब दफ्तर में बॉस के सामने भीगी बिल्ली बन जाता है। उसके घुटने कांपने लगते हैं। 'जी सर जी सर' कहने लगता है, तो इसमें गलत क्या है? कठिन जिंदगी है। हर मास महंगाई तेरे बखिये उधेड़ती है।

दृष्टि कोण

बुजुर्गों को मिले सम्मान, उपचार और सुरक्षा

मनुष्य के जीवन की सबसे संवेदनशील अवस्था वृद्धावस्था है। हम प्रायः देखते हैं कि जिस उम्र में व्यक्ति को परिवार के स्नेह, सम्मान और सहारे की सर्वाधिक जरूरत होती है, उसी उम्र में अनेक बुजुर्ग अकेलेपन, आर्थिक असुरक्षा, बीमारी और पारिवारिक उपेक्षा का सामना करने को विवश होते हैं। विडंबना यह है कि जिस पीढ़ी ने अपना संपूर्ण जीवन बच्चों के भविष्य और परिवार की खुशहाली के लिए समर्पित कर दिया होता है, आज उसी पीढ़ी के सामने बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का संकट खड़ा हो रहा है। बदलती जीवनशैली, एकल परिवारों का विस्तार, रोजगार के लिए पलायन और पारिवारिक मूल्यों में आ रहे बदलाव ने वृद्धजनों की समस्याओं को और गंभीर बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स-2024 रिपोर्ट के अनुसार विश्व की जनसंख्या वर्ष 2024 के 8.2 अरब से बढ़कर 2080 के दशक के मध्य तक लगभग 10.3 अरब पहुंच सकती है। भारत भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के तकनीकी समूह के अनुमानों के अनुसार देश में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या वर्ष 2011 के लगभग 10.16 करोड़ से बढ़कर 2036 तक 22.74 करोड़ हो सकती है। इस दौरान कुल आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 8.4 प्रतिशत से बढ़कर 14.9 प्रतिशत होने का अनुमान है। वहीं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023 के अनुसार वर्ष 2050 तक भारत की लगभग 20.8 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष से अधिक आयु की हो सकती है। इसका अर्थ है कि आने वाले दशकों में देश की लगभग हर पांचवीं आबादी वृद



क्राइस्टचर्च टेस्ट से पहले भारतीय गेंदबाजी कोच ने गेंदबाजों को हड़बड़ी से बचने की दी सलाह

क्राइस्टचर्च

भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टीम को गेंदबाजी में किसी तरह की बेचैनी या हड़बड़ी से बचने की सलाह दी है। भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित रखने के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी है। हालांकि, मोर्कल ने खिलाड़ियों से बाहरी दबाव को नजरअंदाज करने और सत्र दर सत्र अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

मोर्कल ने प्री मैच प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, सबसे पहले, एक टीम के रूप में हमें बेचैनी शब्द को अच्छी तरह समझने की जरूरत है। मुझे बेचैनी शब्द पसंद नहीं है क्योंकि इससे खिलाड़ी मैदान पर जरूरत से ज्यादा कोशिश करने लगते हैं और अपनी गेंदबाजी की सही दिशा से भटक जाते हैं। इसलिए मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि अगले सप्ताह हम बाहरी शोर और दबाव को पूरी तरह नजरअंदाज करें। मैं आपको बताता हूं कि ये सभी खिलाड़ी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना चाहते हैं और वहां पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। लेकिन वास्तविकता यह है कि अगर हम ईमानदारी से देखें तो यह चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए हर खराब सत्र के बाद हमें इस बात में उलझना नहीं चाहिए कि अब हमें क्या-क्या करना है।

उन्होंने आगे कहा, हमें सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने, समस्याओं का समाधान निकालने और उसी दिशा में आगे बढ़ने पर ध्यान देना चाहिए। हम इस बारे में काफी बात करेंगे कि मुकाबले को सत्र दर सत्र बांटकर कैसे खेलना है और किस तरह अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल सकते हैं।

मोर्कल ने कहा कि दूसरे टेस्ट के लिए हेगले ओवल की पिच उन्हें काफी हरी नजर आ रही है लेकिन पिछले सप्ताह बेसिन रिजर्व की ऐसी ही दिखने वाली पिच से मिले अनुभव के बाद वह सतह को लेकर अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहते।

उन्होंने कहा, मैंने जितना देखा है, उसके अनुसार पिच फिर काफी हरी नजर आ रही है। मुझे लगता है कि वहां घास की परत थोड़ी लंबी है। हमें देखना होगा कि यह किस तरह खेलती है। जैसा मैंने कहा, पिछले मैच में सभी को उम्मीद थी कि पिच तेज और उछाल वाली होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। हमें बस कल पहले सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते समय सामने आने वाली परिस्थितियों के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वेलिंगटन की बेहद सपाट पिच पर भारत के चार तेज गेंदबाजों का आक्रमण प्रभाव नहीं छोड़ सका था। ऐसे में क्राइस्टचर्च में गुरनूर बरार को मौका मिल सकता है। वह अपनी गति और उछाल से गेंदबाजी आक्रमण को धार दे सकते हैं। माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में गेंद जल्दी नरम पड़ने की समस्या से निपटने में भी उनकी भूमिका अहम हो सकती है।

मोर्कल ने गुरनूर को लेकर कहा, भारतीय टीम से जुड़ने के बाद से ही उसे लेकर काफी उत्साह है। उसकी गति और उछाल इसकी वजह है। मुझे लगता है कि वह यहां की परिस्थितियों के लिए काफी उपयुक्त गेंदबाज होगा। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने कहा, गुरनूर लगातार टीम में जगह बनाने के करीब पहुंच रहा है। वह सभी सही चीजें कर रहा है। लेकिन खिलाड़ी के तौर पर चयन ऐसी चीज है, जिसे वह नियंत्रित नहीं कर सकता। उसे बस यह सुनिश्चित करना है कि मौका मिलने पर वह पूरी तरह तैयार रहे। कई बार जब आप मौके के करीब होते हैं तो गेंदबाज के तौर पर आपका ध्यान भटक सकता है। जब उसे मौका मिलेगा और यह भी तय नहीं है कि कब मिलेगा, तो मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि वह 100 प्रतिशत तैयार रहे।

न्यूज ब्रीफ

हाकी इंडिया लीग का नया सत्र जनवरी के पहले सप्ताह से, खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर को

नई दिल्ली। हाकी इंडिया ने हीरो हाकी इंडिया लीग 2026-27 सत्र की प्रमुख तारीखों और कार्यक्रम की



घोषणा कर दी। प्रतियोगिता जनवरी 2027 के पहले सप्ताह में शुरू होगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। नए सत्र के लिए टीमों के गठन की दिशा में यह अगला बड़ा कदम होगा। आगामी सत्र में पुरुष वर्ग में छह और महिला वर्ग में चार फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। लीग के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हाकी प्रतिभाओं को प्रमुख मंच उपलब्ध कराने की परंपरा जारी रहेगी। तैयारियां तेज होने के साथ ही फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के आपसी आदान-प्रदान और उन्हें टीम में बनाए रखने की प्रक्रिया पूरी करेंगी। इसके बाद उनका ध्यान नीलामी पर होगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, फ्रेंचाइजी को अपने प्रस्तावित खिलाड़ी आदान-प्रदान की जानकारी 29 नवंबर 2026 तक सीधे संबंधित फ्रेंचाइजी को देनी होगी। आधिकारिक ट्रेडिंग विंडो 29 नवंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे खुलेगी और 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे बंद होगी। इसके बाद फ्रेंचाइजी को 2 दिसंबर को दोपहर 12 बजे तक खिलाड़ियों को स्थायी रूप से टीम से रिलीज करने की जानकारी हीरो हाकी इंडिया लीग को देनी होगी और अपनी अंतिम टीम सूची जमा करनी होगी। उसी दिन शाम 5 बजे हीरो हाकी इंडिया लीग सभी फ्रेंचाइजी को नीलामी के लिए तैयार संयुक्त खिलाड़ी सूची उपलब्ध कराएगी।

एसए20 : डरबन सुपर जायंट्स के नए मुख्य कोच बने केन विलियमसन

जोहानसबर्ग। डरबन सुपर जायंट्स ने एसए20 के पांचवें सत्र के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन



विलियमसन को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। विलियमसन इससे पहले एसए20 के तीसरे और चौथे सत्र में खिलाड़ी के रूप में इस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अब वह कोच की भूमिका में किंग्समीड लौटेंगे। वह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी लांस क्लूजनर की जगह लेंगे। क्लूजनर लीग की शुरुआत से ही पिछले चार सत्रों से डरबन की टीम के मुख्य कोच रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीम ने दूसरे सत्र में उपविजेता रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। 36 वर्षीय विलियमसन को शुरुआत में पांचवें सत्र के लिए डरबन सुपर जायंट्स की टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब उन्हें कोच की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ी के नाम की घोषणा बाद में की जाएगी। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाने वाले विलियमसन के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड ने 2019 के आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। इस टूर्नामेंट में विलियमसन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में पहले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड को खिताबी जीत दिलाई थी। इस नियुक्ति के साथ आरपी-संजीव गोयनका समूह के साथ विलियमसन का जुड़ाव और मजबूत हुआ है। अक्टूबर 2025 में वह 2026 आईपीएल सत्र से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के रणनीतिक सलाहकार बने थे। इसके अलावा वह द हंड्रेड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के पुरुष बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। एडेन मार्करम एक बार फिर डरबन सुपर जायंट्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पिछले सत्र में पहली बार टीम का नेतृत्व किया था।

चैंपियंस लीग फुटबाल में बार्सिलोना और लिले को मिली जीत, पीएसजी-रोमा का मुकाबला बराबरी पर रहा

बाकू। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने यहां हुए यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबाल मुकाबले में सबाह एफके को 4-1 से हराकर राउंड आफ 16 में प्रवेश किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) का मुकाबला एएस रोमा के साथ 2-2 से बराबरी पर रहा। वहीं एक अन्य मुकाबले में लिले क्लब ने जर्मनी के बायर्न म्यूनिह्वो 2-1 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। ये लिले की लीग चरण में पहली जीत थी। बार्सिलोना को एंथनी गार्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल से लीग चरण में अपने पांचवें मुकबले में चौथी जीत मिली। बार्सिलोना ने इस मुकाबले में हाफ-टाइम के बाद लगातार दो गोल किये। गेब्रियल जीसस के शाट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर गार्डन ने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके तुरंत बाद, करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल जोड़ा, जबकि जाय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ सबाह एफके के लिए एकमात्र गोल किया। अदेयेमी ने पांचवां गोल करने का मौका गंवाया जब पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शाट क्रासबार से टकराया। इस जीत के साथ, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और वह राउंड आफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर बढ़ गयी है। वहीं पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रोमा के साथ 2-2 से ड्रा खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना जीत का सिलसिला बनाये रखा। यह दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला था।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी : मलेशिया की चुनौती से पार पाना चाहेगा भारत

भोपाल

गत चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय महिला हाकी टीम मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी भोपाल 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना करेगी। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में होने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम लगातार पांच जीत के साथ लीग चरण में शीर्ष पर रहने के बाद अब फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। घरेलू टीम की नजरें चौथी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने पर भी होंगी।



मुख्य कोच श्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने टूर्नामेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों में 15 अंक के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। गत चैंपियन टीम ने इस दौरान 23 गोल किए और केवल चार गोल खाए। उसका गोल अंतर प्लस 19 रहा। भोपाल में भारतीय टीम के अभियान में उसकी आक्रमण की गहराई और रक्षात्मक मजबूती प्रमुख रूप से सामने आई है। इसी प्रदर्शन के दम पर भारत अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ की विश्व रैंकिंग में अपने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा।

दीपिका टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रमण खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अब तक आठ गोल किए हैं और गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। इसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ उनकी हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, भारतीय टीम का आक्रमण केवल दीपिका पर निर्भर नहीं रहा है। ललरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मध्यपंक्ति में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कार्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को सही खिलाड़ियों तक पहुंचाने, मैदान पर अपनी सक्रियता और नेतृत्व से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के योगदान ने भी दिखाया है कि भारतीय टीम मैदान के अलग-अलग हिस्सों से आक्रमण तैयार कर सकती है और गोल के मौके बना सकती है। इस विविधता ने कोच मारिन को तेज आक्रमण और रणनीतिक रूप से पेनल्टी कार्नर का इस्तेमाल करने के कई विकल्प दिए हैं।

भारत के पेनल्टी कार्नर भी गोल हासिल करने का महत्वपूर्ण जरिया रहे हैं। इस मामले में दीपिका ने अहम भूमिका निभाई है। यदि मलेशिया रक्षात्मक रूप से पीछे रहकर भारतीय टीम को सर्कल में सीधे प्रवेश करने से रोकने की कोशिश करता है, तो भारत के लिए पेनल्टी कार्नर की रणनीतियों में विविधता बनाए रखना जरूरी होगा। दूसरी ओर, भारतीय आक्रमण को रोकने के लिए मलेशिया को सर्कल में भारत की पहुंच सीमित करनी होगी और पेनल्टी कार्नर के मौके नहीं देने होंगे।

मलेशिया की टीम पांच मैचों में सात अंक लेकर चौथे स्थान पर रही और नए आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगी। लीग चरण में उसने चीन के खिलाफ 2-2 से मुकाबला बराबर किया और दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। इसके बाद अंतिम लीग मैच में थाईलैंड के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मलेशिया ने खास जुझारूपन दिखाया। पहले तीन क्वार्टर तक मुकाबला गोलरहित रहने के बाद उसने अंतिम छह मिनट में चारों गोल किए।

नुरामिराह जुल्किफ्ली ने टूर्नामेंट में अब तक चार गोल किए हैं और वह मलेशिया की प्रमुख आक्रमण खिलाड़ियों में शामिल हैं। नूर अजर, अजमायरा अजरायरी, सिती मोहद और नूरमाइजातुल स्याफी ने भी गोल करने में योगदान दिया है। मलेशिया के आक्रमण में कई खिलाड़ियों की भागीदारी भारत के लिए रक्षात्मक चुनौती बढ़ा सकती है।

दोनों टीमें भोपाल में पहले भी आमने-सामने हो चुकी हैं। 19 नवंबर को लीग चरण के अपने शुरुआती मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराया था। उस मैच में भारत ने शुरुआती झटके से उबरकर धीरे-धीरे मुकाबले पर अपना नियंत्रण स्थापित किया था।

मारिन की टीम के लिए मध्यपंक्ति पर नियंत्रण, सर्कल में प्रभावी प्रवेश और मिले मौकों को गोल में बदलना अहम होगा। पांच मैचों में केवल चार गोल खाना भारतीय रक्षापंक्ति की मजबूती को दर्शाता है। मुकाबले के दौरान खेल की गति पर नियंत्रण रखना, दबाव में गेंद अपने पास बनाए रखना और आक्रमण के मौकों का निर्णायक इस्तेमाल करना भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मलेशिया की अंतिम मिनटों में गोल करने की क्षमता को देखते हुए भारतीय टीम को पूरे मुकाबले में अपनी रक्षात्मक व्यवस्था और तीव्रता बनाए रखनी होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए डिएंड्रा डाटिन की वेस्टइंडीज टीम में वापसी



नई दिल्ली

वेस्टइंडीज की अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी डिएंड्रा डाटिन पाकिस्तान के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों की टीम में लौट आई हैं। वेस्टइंडीज को इस सीरीज में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। डाटिन सितंबर में जिम्बाब्वे दौरे पर वेस्टइंडीज के पिछले अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा नहीं थीं। उन्हें निजी कारणों से अवकाश दिया गया था। डाटिन को चोट के कारण सीरीज से बाहर हुई आफ स्पिनर अशमिनी मुनिसार की जगह टीम में शामिल किया गया है। बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वेस्टइंडीज ने दोनों प्रारूपों के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम चुनी है। हेली मैथ्यूज टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि चिनेल हेनरी उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगी। इस सीरीज के साथ मैथ्यूज की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी वापसी होगी। जिम्बाब्वे दौरे के टी20 चरण के लिए उन्हें निजी कारणों से अवकाश दिया गया था। उनकी गैरमौजूदगी में हेनरी ने वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 3-0 से जीत दिलाई थी। इससे पहले टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद वेस्टइंडीज ने 2028 के संस्करण के लिए पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का विशेष महत्व है, क्योंकि ये मुकाबले आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। यह चैंपियनशिप 2029 के वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाली टीमों का निर्धारण करती है।

टी20 और वनडे सीरीज के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम घोषित, हेली मैथ्यूज संभालेंगी कप्तानी

तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले 8, 10 और 12 दिसंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद 15, 17 और 20 दिसंबर को वनडे मुकाबले होंगे। सीरीज के सभी मैच डोमिनिका के रोसेउ स्थित विंडसर पार्क में खेले जाएंगे।

क्रिकेटर बाबा अपराजित ने खेल से संन्यास लिया



मुम्बई। 32 साल के क्रिकेटर बाबा अपराजित ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अपराजित साल 2012 अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य भी रहे हैं। चेन्नई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आलराउंडर अपराजित ने सोशल मीडिया के जरिये खेल को अलविदा कहा है। अपराजित ने तमिलनाडु के अलावा भारत ए की ओर से खेला है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी के लिए भी खेला है। अपने घरेलू राज्य तमिलनाडु के लिए वह लगभग एक दशक तक टीम प्रमुख खिलाड़ी रहे। एक विश्वसनीय बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं और बाद में टीम की कप्तानी की बागडोर भी संभाली। पिछले दो सत्रों से वह केरल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, जहां उन्होंने अपने अनुभव से युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया। उनका अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल जनवरी में खेला गया था। गौरतलब है कि साल 2012 का अंडर-19 विश्व कप अपराजित के करियर का शायद सबसे बड़ा और यादगार पल रहा। उन्होंने उन दिनों भारत को विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी : मुंबई की लगातार छठी जीत पुडुचेरी और हरियाणा ने आखिरी ओवर में दर्ज की जीत

नई दिल्ली

मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उत्तराखंड को 86 रन से हरा दिया। मुशीर खान के 40 गेंदों पर 65 रन की पारी ने मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हार्दिक तामोरे ने 14 गेंदों पर 39 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को शुरुआती गति दी, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 51 रन बनाए। मुंबई की टीम अंतिम ओवर में 209 रन बनाकर आलआउट हुई। उत्तराखंड की ओर से रविंदर नेगी और जगदीशा सुचित ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तराखंड की टीम 58 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गई। इसके बाद शाश्वत डांगवाल ने 20 गेंदों पर 37 रन और जगदीशा सुचित ने 19 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया। हालांकि, अथर्व अंकोलेकर ने निचले क्रम को समेटते हुए 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। उत्तराखंड की टीम 16.5 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। यह सात मैचों में मुंबई की छठी जीत है। उसका एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। इस प्रदर्शन के साथ मुंबई ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर मजबूती से कायम है। कर्नाटक ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़ौदा को आठ विकेट से हराया। बड़ौदा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 118



रन पर आलआउट हो गई। श्रीशा आचार और विद्वत कावेरप्पा ने चार-चार विकेट हासिल किए। शाश्वत रावत ने 31 रन बनाए, जबकि ध्रुव पटेल ने 33 रन का योगदान दिया।

हालांकि, 31 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद बड़ौदा की टीम दबाव से उबर नहीं सकी। जवाब में कर्नाटक ने रोहन पाटिल के 48 और कृष्णन श्रीजित के 33 रन की मदद से पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। इसके बाद करुण नायर ने 20 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाकर टीम को 16.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कर्नाटक ने 23 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। पुडुचेरी ने मध्य प्रदेश को दो विकेट से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। उसने 158 रन का लक्ष्य दो गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। मध्य प्रदेश की टीम 25 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, लेकिन हर्ष गवाली ने 48 गेंदों पर नाबाद 72 रन की पारी खेलकर टीम को सात विकेट पर 157 रन तक पहुंचाया। प्रणय सिंह ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी के परमेश्वरन शिवरामन ने 30 गेंदों पर नाबाद 46 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

वेदांत भारद्वाज ने 26 और गौतम दिलीप शास्त्री ने 35 रन का योगदान दिया। शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए, लेकिन वह मध्य प्रदेश को हार से नहीं बचा सके। इस हार के साथ मध्य प्रदेश ने लगातार दो पराजयों के साथ ग्रुप चरण का समापन किया। हरियाणा ने जम्मू-कश्मीर को दो विकेट से हराकर उसकी लगातार तीन जीत का सिलसिला रोक दिया। जम्मू-कश्मीर ने अब्दुल समद के 45 गेंदों पर नाबाद 77 रन की बदौलत नौ विकेट पर 167 रन बनाए। समद ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए। कनिष्क चौहान ने 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यशवर्धन दलाल ने 18 गेंदों पर 38 रन बनाकर हरियाणा को तेज शुरुआत दिलाई। कप्तान अंकित कुमार ने 35 रन बनाए, जबकि राहुल तेवतिया ने 10 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेलकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

आईएलटी20 : दुबई कैपिटल्स ने दर्ज की सीजन की पहली जीत, डेजर्ट वाइपर्स को 45 रन से हराया

दुबई

दुबई कैपिटल्स ने डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पांचवें सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कैपिटल्स ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए डेजर्ट वाइपर्स को 45 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दुबई कैपिटल्स ने सात विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में डेजर्ट वाइपर्स की टीम 17.5 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

दुबई कैपिटल्स की ओर से सैम बिलिंग्स ने 31 गेंदों पर 43 रन और रोवमैन पावेल ने 12 गेंदों पर तेजतर्रार 28 रन बनाए। गेंदबाजी में नूर अहमद ने चार विकेट लेकर सबसे अहम भूमिका निभाई। मुस्तफिजुर रहमान ने दो विकेट हासिल किए, जबकि दुश्मंथा चमीरा और हसन खान ने भी दो-दो विकेट लिए। डेजर्ट वाइपर्स की ओर से एंड्रिस गास ने सर्वाधिक 30 गेंदों पर 27 रन बनाए।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दुबई कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मसूद गुरबाज दो गेंदों पर दो रन बनाकर फाफ डुप्लेसिस के साथ गलतफहमी के कारण रन आउट हो गए। इस समय टीम का स्कोर आठ रन पर एक विकेट था। इसके बाद मैक्स होल्डन ने डुप्लेसिस के साथ मिलकर पावरप्ले तक पारी को संभाला। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 37 रन की साझेदारी हुई।

हालांकि, यह साझेदारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। सातवें ओवर में वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने मैक्स होल्डन को कैच आउट करा दिया। इसके कुछ ही देर बाद डुप्लेसिस भी नांगेयालिया खान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। वह



अपनी पारी में पहला चौका लगाने की कोशिश कर रहे थे।

9.4 ओवर में 61 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद सैम बिलिंग्स और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 59 रन जोड़े। इस दौरान चौके लगाना आसान नहीं था, लेकिन बिलिंग्स ने 16वें ओवर में शादाब खान के खिलाफ एक छक्का और दो चौके लगाकर रन गति बढ़ाई।

दुबई कैपिटल्स जब बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, तभी खुजैमा तनवीर ने 16.2 ओवर में स्टोइनिस को आउट कर दिया। इस समय टीम का स्कोर 120 रन था। तनवीर ने 19वें ओवर में बिलिंग्स और करीम जनत को भी पवेलियन भेजा। उन्होंने तीन विकेट लेकर वाइपर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज का प्रदर्शन किया। तीन पारियों में आठ विकेट के साथ उन्होंने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को दिए जाने वाला सफेद बेल्ट भी अपने नाम कर लिया।

अंतिम ओवरों में रोवमैन पावेल ने तेजी से रन बनाते हुए दुबई कैपिटल्स को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 12 गेंदों पर 28 रन की पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए। अंतिम ओवर में उन्होंने 16 रन बटोरे और टीम को 20 ओवर में सात विकेट पर 164 रन तक पहुंचा दिया।

165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स की शुरुआत खराब रही। दूसरे ओवर में दुश्मंथा चमीरा ने बाबर आजम को दो गेंदों पर एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। टीम का स्कोर दो रन पर एक विकेट हो गया। इसके बाद फखर जमान और एंड्रिस गास ने 35 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान ने फखर को कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। फखर ने 11 गेंदों पर 12 रन बनाए। इस समय वाइपर्स का स्कोर 37 रन पर दो विकेट था। इसके बाद नूर अहमद ने गेंदबाजी की कमान संभाली।

निस्वार्थ सेवा से मजबूत होता है मानवता का रिश्ता : भंवरलाल गुप्ता



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भंवरलाल गुप्ता ने कहा कि निस्वार्थ सेवा से मानवता का रिश्ता मजबूत होता है। जरूरतमंदों और भूखे लोगों को भोजन कराना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, प्रेम और करुणा को प्रकट करने का श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने कहा कि अन्नदान से बढ़कर कोई दूसरा पुण्य कार्य नहीं है, क्योंकि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना अपने आप में सबसे बड़ा आत्मिक संतोष है।

भंवरलाल गुप्ता ने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज और जरूरतमंदों के लिए समय निकालना चाहिए। सेवा के लिए धन से अधिक महत्वपूर्ण सेवा भावना और समर्पण है। जब व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा और दिखावे के दूसरों की सहायता करता है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नसेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा प्रयास समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सेवा का सबसे बड़ा प्रतिफल है।

राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि अन्नसेवा के माध्यम से समाज में निस्वार्थ सेवा और परोपकार की भावना निरंतर बनी रहे। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित

। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अन्नसेवा में सहभागिता निभाई और सेवा के इस पुनीत कार्य को सफल बनाया।

सामाजिक विरासत आगे बढ़ाने का आह्वान

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



जोधपुर से हैदराबाद पधारे पूर्व महासभा अध्यक्ष स्व. हरिप्रसाद जी जोशी के सुपुत्र महेन्द्र जोशी का समाजबंधुओं ने आत्मीय एवं गरिमामय अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाजसेवी बृजेश तड़बा तिवारी, सिखवाल प्रगति समाज के कोषाध्यक्ष चंद्रभान व्यास, सहमंत्री अनिल जायलवाल, विप्र फाउंडेशन तेलंगाना के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नगला उपस्थित रहे। समाजबंधुओं ने स्व. हरिप्रसाद जी जोशी के सामाजिक योगदान एवं सेवाभाव को स्मरण करते हुए महेन्द्र जोशी से उनकी सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाने तथा महासभा अध्यक्ष पद का दायित्व स्वीकार कर समाज को संगठित करने का आग्रह किया।

संविधान दिवस मनाया



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उषा महल रोड के समीप डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कोसा महल के अध्यक्ष कल्याणी नंदेश कुमार, प्रभारी जी.सी. चंद्रशेखर राव तथा मुख्य अतिथि समाजसेवी किशन सिंह उपस्थित रहे।

किशन सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से जाति, धर्म एवं सामाजिक भेदभाव समाप्त करने, महिलाओं को समान अधिकार दिलाने तथा प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार प्रदान किया। उनके योगदान से भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में मजबूत बना है।

समाजवादी समागम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न



नई दिल्ली, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजवादी समागम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार की अध्यक्षता में बाबर लेन, नई दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट, समाजवादी छात्र-युवा शिविर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विस्तार, राष्ट्रीय सम्मेलन की तिथि एवं स्थान निर्धारित करने तथा तैयारी समिति के गठन पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में मौजूदा राजनीतिक स्थिति, समाजवादी साहित्य के प्रचार-प्रसार एवं इसकी जिम्मेदारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभी प्रस्तावों को कार्यकारिणी ने मंजूरी दी। बैठक में प्रोफेसर राजकुमार जैन, ठाकुर गोपाल सिंह, रामबाबू अग्रवाल, प्रोफेसर विनय भारद्वाज, प्रोफेसर हरीश खन्ना, डॉ. अनिल ठाकुर, राजवीर सिंह पवार, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, रणधीर गौतम, सुरेंद्र यादव एवं संजय कनौजिया उपस्थित रहे।

अंत में वरिष्ठ समाजवादी साथी श्याम गंभीर के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित कर मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्न वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन वितरित करने का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, प्रेम और मानवीय कर्तव्य निभाने का माध्यम है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे पुण्यदायी कार्यों में से एक है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें निस्वार्थ भाव, अपनापन और समर्पण जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति, धर्म और भेदभाव के मानव सेवा को निरंतर आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों से आपसी सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही ग्रुप के सभी सदस्यों के लिए सबसे बड़ा संतोष और प्रेरणा है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, नरेश बंसल, राजेश सर (योग), अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को इसी प्रकार निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जादुई...

लोकसभा की कार्यवाही चार दिन और राज्यसभा की कार्यवाही दो दिन चलने की बात कही गई है। सत्र 3 दिसंबर को समाप्त होने की संभावना है। सरकार ने कहा है कि ये बैठकें सरकारी कामकाज निपटाने के लिए बुलाई गई हैं, लेकिन कौन से काम निपटाए जाएंगे, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है।

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को किया सतर्क

लोकसभा और राज्यसभा की बैठक बुलाने से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल को पूरी तरह सतर्क कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे 15 दिसंबर से पहले अगले संसद सत्र की सभी तैयारियां पूरी कर लें। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को आने वाले सत्र से पहले विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि मंत्री दिल्ली में ही मौजूद रहें। इन निर्देशों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मामला कितना गंभीर है और सरकार इस मुद्दे को कितनी अहमियत दे रही है।अब सवाल यह है कि परिसीमन आखिर होता क्या है? इसे समझना जरूरी है, क्योंकि नारी वंदन अधिनियम यानी महिलाओं के आरक्षण वाला विधेयक इसी से जुड़ा है। परिसीमन के बाद ही लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और फिर बढ़ी हुई सीटों पर ही महिलाओं को आरक्षण मिलेगा। यही वजह है कि यह विधेयक आज इतना जरूरी माना जा रहा है।

नए विधेयक में क्या हैं प्रावधान?

विधेयक में किए गए प्रावधानों के मुताबिक, लोकसभा में सांसदों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी। यानी कुल सीटें पहले से डेढ़ गुना हो जाएंगी। इन कुल सीटों में से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत तक आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। सरकार चाहती है कि परिसीमन जल्द से जल्द हो, ताकि महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जा सके। सरकार को इसका चुनावी फायदा मिलने की उम्मीद भी है। महिलाओं के लिए आरक्षण का मुद्दा इस देश में सात दशकों से चल रहा है, लेकिन अभी तक जमीन पर नहीं उतर पाया है।

अमित शाह ने दिया था सीटों का उदाहरण

अमित शाह ने इसी साल 16 अप्रैल को संसद में उदाहरण देकर समझाया था कि अलग-अलग राज्यों में सीटें किस तरह बढ़ेंगी। उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण दिया। कर्नाटक में अभी लोकसभा की 28 सीटें हैं और परिसीमन के बाद यहां 42 सीटें हो जाएंगी। इसी तरह आंध्र प्रदेश की सीटें 25 से बढ़कर 38 होंगी। तेलंगाना की सीटें 17 से बढ़कर 26 हो जाएंगी। तमिलनाडु की सीटें 39 से बढ़कर 69 होंगी। केरल की सीटें 20 से बढ़कर 30 हो जाएंगी। यह पूरा हिसाब 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने पर आधारित है।

दक्षिण भारत के राज्यों की आपत्ति

दरअसल, दक्षिण भारत के राज्यों को इसी बात पर आपत्ति थी। उनका डर यह था कि अगर सीटें जनसंख्या के हिसाब से बढ़ाई गईं, तो उनके राज्यों की सीटें कम रहेंगी और जिन राज्यों की आबादी ज्यादा है, उनकी सीटें कहीं अधिक बढ़ जाएंगी। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने उदाहरणों से इसी संदेह को दूर करने की कोशिश की थी। अब सरकार यही परिसीमन विधेयक सोमवार को दोबारा पेश करने वाली है। ऐसे में सभी को लग रहा है कि इस बार एनडीए विधेयक पास कराने लायक बहुमत जुटा सकती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वास्तव में ऐसा होगा?

बहुमत का गणित

इस विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत चाहिए। अभी लोकसभा में कुल 540 सांसद हैं। इस हिसाब से दो-तिहाई सीटें यानी 360 सांसदों का समर्थन हर हाल में चाहिए। अब एक-एक करके देखते हैं कि एनडीए के पास कितने सांसद हैं। एनडीए के पास अभी 300 सांसद हैं। इसमें टीएमसी के 20 बागी सांसद जोड़ दें तो संख्या 320 हो जाती है। अभी डीएमके को इस गिनती में नहीं जोड़ा जा रहा, क्योंकि उसकी तरफ से पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि वह साथ आएगी या नहीं। यदि इसमें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 4 सांसद जोड़ें तो आंकड़ा 324 हो जाता है। अकाली दल का 1 सांसद जोड़ने पर यह 325 हो जाता है। फिर सुप्रिया सुले के बयान के बाद माना जा रहा है कि एनसीपी का शरद पवार गुट विधेयक का समर्थन कर सकता है। उसके 8 सांसद जोड़ने पर संख्या 333 हो जाती है। 360 तक पहुंचने के लिए एनडीए को डीएमके के 22 सांसदों की जरूरत है। डीएमके के 22 सांसद जुड़ने के बाद भी एनडीए 355 पर पहुंचता है। यानी उसके बाद भी 5 और सांसदों का समर्थन चाहिए होगा। फिर भी डीएमके के साथ आए बिना यह विधेयक पास कराना बिल्कुल नामुमकिन माना जा रहा है।

208 करोड़ ...

वर्धमान जैन एक्सेस हेल्थकेयर के संस्थापक एवं उपाध्यक्ष तथा एशिया इंजीनियरिंग के निदेशक हैं। इससे पूर्व उन्होंने डेल सर्विसेज बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) का नेतृत्व किया था। वे विजन हेल्थसोर्स के सह-संस्थापक भी रहे, जिसे बाद में पेरोट सिस्टम्स ने अधिग्रहित कर डेल में समाहित कर लिया था। उन्हें मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में पेटेंट भी प्राप्त हैं। उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन से कंप्यूटर विज्ञान तथा चेन्नई के लोयोला कॉलेज से सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्रियां हासिल की हैं। श्री सरिता जैन फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से वे शिक्षा, भूख से पीड़ित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग करते हैं। उन्होंने वंचित युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 'आविष्कार' नामक पहल की स्थापना की है। वे चेन्नई एंजेल्स के सदस्य भी हैं।

टीटीडी को पूर्व में भी दी गईं कई महत्वपूर्ण भेंट

चेन्नई के उद्योगपति वर्धमान जैन द्वारा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को पूर्व में भी कई महत्वपूर्ण योगदान दिए गए हैं। उन्होंने श्री वेंकटेश्वर भक्ति चैनल (एसवीबीसी) के विकास एवं कार्यों के लिए 7 करोड़ रुपये, गोशाला में पशु आहार मिश्रण संयंत्र की स्थापना के लिए 5 करोड़ रुपये तथा सिक्कों की छंटाई करने वाली मशीन खरीदने के लिए 1 करोड़ रुपये दान किए हैं।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने श्रद्धालुओं के परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक बसें भी भेंट की हैं। वर्तमान स्वर्ण भेंट में कुल 33 आभूषण शामिल हैं, जिनमें मुकुट, पायल, हार, कमरबंद, बाजूबंद, कंगन एवं कानों के आभूषण शामिल हैं। इन आभूषणों में तुलसी एवं शालग्राम हार, अष्टोत्तर शत कासुल माला (108 स्वर्ण मुद्राओं का हार), चतुर्भुज लक्ष्मी हार, कौस्तुभम, श्रीवत्सम, सूर्यकांति, चंद्रवंका कांति, नागाभरण आभूषण, बाघ के नख वाला लॉकेट, नथ, शंख एवं चक्र के आवरण तथा नीम की सुरक्षात्मक आवरणों सहित यज्ञोपवीत प्रमुख हैं। आभूषणों में 238.2 कैरेट हीरे, 2,247.7 कैरेट नीले नीलम, 91.6 कैरेट पीले नीलम, 84.2 कैरेट माणिक एवं पन्ने तथा 2,916.5 ग्राम शालग्राम पत्थर जड़े हुए हैं।

एक्सेस हेल्थकेयर में हिस्सेदारी का बड़ा सौदा

वर्धमान जैन, एक्सेस हेल्थकेयर एवं एशिया चेन्नई इंजीनियरिंग के संस्थापक बताए गए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2025 में उन्होंने एक्सेस हेल्थकेयर की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिका की एक कंपनी को लगभग 2 अरब डॉलर के सौदे में बेची थी। उन्होंने मई 2026 में भी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को श्रद्धालुओं के परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक बसें दान की थीं। इसके अतिरिक्त, श्री वेंकटेश्वर भक्ति चैनल के विकास के लिए 7 करोड़ रुपये तथा 1 करोड़ रुपये मूल्य की सिक्कों की छंटाई करने वाली मशीन भी भेंट की थी।वर्धमान जैन ने 'आविष्कार' की स्थापना वंचित युवाओं को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की है। वे कांची कामकोटि चाइल्ड्स ट्रस्ट अस्पताल के प्रबंध न्यासी भी हैं, जो स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के क्षेत्र में कार्यरत है।सरिता जैन फाउंडेशन के माध्यम से वे 'विद्या सेवा' एवं 'वैद्य सेवा' कार्यक्रमों के अंतर्गत शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को सहयोग प्रदान करते हैं।

साईं बाबा...

जिनकी कीमत 3 लाख 7 हजार रुपये है। खास बात यह है कि दोनों श्रद्धालुओं ने अपना नाम गुप्त रखने की इच्छा जताई है। मुंबई के भक्त की ओर से चढ़ाया गया सोने का हार बेशकीमती पत्थरों से जड़ा हुआ है। इसमें सोने के साथ ही हीरे भी लगे हैं। हार पर 'ओम' का डिजाइन भी बनाया गया है। इसकी बनावट मंदिर में पहले से मौजूद सोने के हारों से अलग है। मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोरक्ष गाड़ीलकर के मुताबिक, इस हार को मध्याह्न आरती के समय साईं बाबा को पहनाया गया। इसकी कीमत करीब 1.16 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इसी दिन एक अन्य साईं भक्त ने बाबा को 2 किलो चांदी के बिस्किट अर्पित किए। इनकी कीमत करीब 3 लाख 7 हजार रुपये बताई गई है। भक्त ने अपनी मुराद पूरी होने पर यह भेंट चढ़ाई।

दोनों श्रद्धालुओं ने मंदिर ट्रस्ट से अनुरोध किया कि उनके नाम सार्वजनिक न किए जाएं। ट्रस्ट के मुताबिक, कई भक्त अपनी श्रद्धा से दान करते हैं, लेकिन पहचान सामने नहीं लाना चाहते।गोरक्ष गाड़ीलकर ने बताया कि शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए 63 देशों से भक्त आते हैं। वे बाबा को अपना गुरु मानते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करते हैं।

आ गया...

ऐसे ड्रोन संचार संपर्क बाधित होने पर भी काम करना जारी रख सकते हैं। वाहनों पर लगे होने के कारण भार्गवास्त्र को परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार स्थानांतरित और तैनात किया जा सकता है। इसे रेगिस्तान, मैदान और समुद्र तल से 5,000 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों सहित विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। भार्गवास्त्र का कमान एवं नियंत्रण केंद्र प्रणाली के मस्तिष्क के रूप में कार्य करता है। यह आने वाले हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने के लिए कई सेंसर से जानकारी एकत्र करता है। इसमें रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड निगरानी प्रणाली और निष्क्रिय रेडियो आवृत्ति सेंसर शामिल हैं। ये तकनीकें ड्रोन की उपस्थिति की पहचान करने, उनकी गति को ट्रैक करने और खतरों को वर्गीकृत करने में मदद करती हैं। खतरे का पता लगने पर कमान एवं नियंत्रण प्रणाली संबंधित सूचनाओं का विश्लेषण करती है।

कौन-कौन ...

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि पत्रकारों को रिपोर्टिंग वाली जगहों से जबरन हटाया गया, उन्हें घटनाओं की रिकॉर्डिंग करने से रोका गया और अपने प्रेस पहचान-पत्र दिखाने के बाद भी उनके साथ शारीरिक बल का प्रयोग किया गया। इन आरोपों में एक फोटोग्राफर का कैमरा छीनने की कोशिश और लाइव रिपोर्टिंग कर रही एक महिला पत्रकार के साथ मारपीट की घटना भी शामिल है। याचिका में जिन सात पत्रकारों का नाम है, वे 24 न्यूज के सुहैल मुहम्मद और वीएस राहुल, एशियानेट न्यूज के सजिन, रिपोर्टर टीवी की रोशनी राजन और फरसाना, मातृभूमि के विष्णुप्रसाद तथा मनोरमा न्यूज के मिजी पी. जोस हैं।

दिल्ली पुलिस ने रखा अपना पक्ष

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि सोशल मीडिया प्रभावक और रील बनाने वाले लोग विरोध प्रदर्शनों को कवर करने वाले पत्रकारों की तरह सुरक्षा पाने का दावा नहीं कर सकते हैं।

पुलिस के मुताबिक, कंटेंट क्रिएटर्स व्यावसायिक लाभ के लिए रील बनाने के वास्ते कैमरे और माइक्रोफोन का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही पुलिस ने पत्रकारों को सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स से अलग बताया।

यूपी...

यहां भाजपा के रणनीतिक लचीलेपन का जिक्र जरूरी हो जाता है। पंजाब जैसे राज्य में खुद की जमीन सीमित होने पर अकाली दल जैसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ छोटे भाई की भूमिका निभाने से भाजपा गुरेज नहीं करती। कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर किसी ओर से कोई बयानबाजी नहीं। जबकि यूपी में कांग्रेस अपना आधार खोने के बावजूद बड़े भाई वाले रवैये से बाहर नहीं आ पाती।

यूपी में वोट काटने की हैसियत भी नहीं बचा पा रही कांग्रेस

पिछले चुनावों में कांग्रेस की जमीनी हकीकत का जायजा लें तो उसका प्रदर्शन लगातार गिरता गया है। 2002, 2007 और 2012 के चुनावों में लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस का वोट प्रतिशत 8 से 10 प्रतिशत और जीत का अनुपात 6 से 8 प्रतिशत के आसपास सिमटा रहा।

बड़ा राजनीतिक मोड़ 2017 में आया, जब 'यूपी के दो लड़के' का नारा देकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने हाथ मिलाया। लेकिन नतीजों ने साबित किया कि गठबंधन की कमजोर कड़ी कांग्रेस ही थी। 114 सीटों पर चुनाव लड़कर कांग्रेस मात्र 7 सीटें जीत सकी और उसका जीत का अनुपात महज 6.14 प्रतिशत रहा। इसके बाद 2022 के चुनाव में प्रियंका गांधी के नेतृत्व में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' अभियान के साथ पार्टी ने अकेले दम पर 399 सीटों पर दांव लगाया। नतीजा यह हुआ कि पार्टी को सिर्फ 2 सीटें मिलीं, वोट प्रतिशत गिरकर 2.33 प्रतिशत पर आ गया और 387 सीटों पर जमानत जब्त हो गई। यानी विधानसभा चुनाव में अब वह वोट काटने वाली पार्टी भी नहीं रही।

पुरानी तल्खी और 'चिरकुट' राजनीति की छाया

सपा और कांग्रेस के रिश्तों में आई खटास की जड़ें पुरानी हैं। 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में रहकर चुनाव लड़ने की पेशकश की तो कांग्रेस की तरफ से जवाब आया कि इंडिया गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर है, राज्य स्तर पर नहीं। कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष अजय राय ने तो यहां तक कह दिया कि मध्य प्रदेश का वोटर हाथ का पंजा पहचानता है, साइकिल नहीं। ऐसे बयानों से भड़के अखिलेश यादव ने कह दिया कि कांग्रेस के 'चिरकुट' नेताओं की कोई हैसियत नहीं है। यही तल्खी 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 9 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव में भी देखने को मिली। जब कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की बात चल ही रही थी कि अखिलेश यादव ने छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। आखिर में कांग्रेस को बैकफुट पर आते हुए चुनाव से हटना पड़ा था।

सपा...

प्रतिनिधित्व देने जैसे वादे किए हैं। इससे साफ है कि अखिलेश यादव 2027 के चुनाव में सामाजिक न्याय के साथ रोजगार, किसान और सुरक्षा के मुद्दों को भी केंद्र में रखकर चुनावी बिसात बिछा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में विपक्षी पार्टियां सपा को कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर ही घेरती रही हैं। इसीलिए अखिलेश यादव ने घोषणापत्र में कानून-व्यवस्था को अपनी प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी माफिया और बाहुबली को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ संगठित अपराध तथा घृणा अपराधों पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात कही।

अखिलेश यादव ने कहा कि व्यापारियों, दुकानदारों और उद्यमियों को माफिया या बाहुबली के उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रमुख बाजारों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा जमीनों पर कब्जे और अवैध वसूली रोकने के लिए अलग व्यवस्था बनाई जाएगी। अखिलेश ने भरोसा दिलाया कि सत्ता में आने पर पुलिस की प्रतिक्रिया प्रणाली को आधुनिक तकनीक के साथ और प्रभावी बनाया जाएगा। पार्टी ने महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराधों तथा संगठित अपराधों पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात कही है।

सपा प्रमुख ने कहा कि अपराधी चाहे किसी भी जाति, धर्म या राजनीतिक दल से जुड़ा हो, उसे कानून के मुताबिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था डायल-100 को और मजबूत बनाने का वादा किया। साथ ही प्रमुख बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष गाड़ियों की तैनाती और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही। इसके साथ ही जमीनों पर अवैध कब्जे रोकने के लिए विशेष आतंकवाद निरोधक बल (एसटीएफ) बनाने का भी ऐलान किया, जो गरीबों, पिछड़ों, दलितों और कमजोर वर्गों की जमीनों को कब्जामुक्त कराने की दिशा में काम करेगा। हर जिले में साइबर अपराध इकाई स्थापित होगी। सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन निगरानी बढ़ाई जाएगी। अपराध नियंत्रण और यातायात प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल होगा। डायल-100/112 और 1090 को मजबूत किया जाएगा। हिरासत में हिंसा और राजनीतिक दबाव से मुक्त पुलिसिंग की दिशा में काम होगा। सपा ने पुलिसकर्मियों के काम के घंटे तय करने, साप्ताहिक छुट्टी देने और खाली पदों को भरने का भी वादा किया है।

युवाओं को रोजगार, 5 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता

अखिलेश यादव ने युवाओं और रोजगार को अपने घोषणापत्र का प्रमुख हिस्सा बनाया है। पार्टी ने वादा किया है कि पांच साल में 25 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा दूसरे क्षेत्रों में 2 से 3 करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने प्रत्येक स्नातक को रोजगार देने का वादा किया। नौकरी दिलाने के लिए विशेष कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जब तक स्नातक युवाओं को नौकरी या रोजगार नहीं मिलता, तब तक उन्हें प्रतिमाह 5,000 रुपये पोषण भत्ता देने की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने शहरों में युवाओं के लिए शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम लाने और बड़े शहरों में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने का भी वादा किया। इसके साथ सपा प्रमुख ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए भी कई वादे किए हैं। सरकारी नौकरियों का वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी होगा। एक चरण वाली परीक्षा तीन महीने में पूरी की जाएगी। कई चरणों वाली भर्ती छह महीने में पूरी होगी। प्रश्नपत्र लीक या भर्ती में अनियमितता होने पर संबंधित अधिकारी और मंत्री की जवाबदेही तय होगी। तहसील स्तर पर कौशल विकास और करियर परामर्श केंद्र बनाए जाएंगे।अखिलेश यादव ने हर साल 20 लाख युवाओं के कौशल विकास का लक्ष्य रखा है। पार्टी का दावा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को बढ़ावा देकर 2032 तक एक करोड़ से ज्यादा रोजगार के अवसर तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा अग्निवीर योजना का विरोध करते हुए स्थायी कमीशन नहीं पाने वाले अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस और दूसरे सरकारी विभागों में रोजगार देने की बात कही गई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 27 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

जैन विद्या परीक्षा का सफल आयोजन, 656 फॉर्म भरे गए



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अंतर्गत समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित जैन विद्या परीक्षा का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

परीक्षा का शुभारंभ सर्वप्रथम आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी एवं सहवर्ती मुनि श्री काव्य कुमार जी के मंगलपाठ से हुआ। उनके मंगलपाठ से वातावरण आध्यात्मिक एवं मंगलमय बन गया।

कक्षा 1 से कक्षा 7 तक की लिखित परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गईं। इसके लिए सभी परीक्षार्थियों को समय-समय पर परीक्षा की तैयारी के संबंध में सूचित किया गया तथा उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया गया। तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में कक्षा 5, 6 एवं 7 के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र तथा कक्षा 8 एवं 9 की ऑफलाइन (लिखित) परीक्षाओं का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती, मंत्री श्री हेमंत जी संचेती, सभा के परामर्शदाता श्री लक्ष्मीपत जी बैद, वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन श्री बाबूला जी बैद, तेलंगाना-आंध्र के जैन विद्या परीक्षा प्रभारी श्री पदमचंद जी दुग्गड़, परीक्षा निरीक्षक श्री कांतिलाल जी संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद जी दुग्गड़, उपासक श्री प्रमोद जी भंडारी, जैन विद्या परीक्षा केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती रीता जी सुराणा एवं पूर्व व्यवस्थापिका श्रीमती हेमा जी मालू, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अनीता जी गीडिया, महिला मंडल जैन विद्या की सह-केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती संतोष जी पिंचा, प्रेम संचेती, सीमा पोकरणा, निशा पिंचा, सुमन सेठिया, ज्ञानशाला आंचलिक प्रभारी संयोजिका श्रीमती सरोज जी लोढ़ा तथा सभा कार्यकारिणी सदस्य श्री राजेंद्र कुमार सुराणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती ने सभी परीक्षार्थियों को बधाई दी। जैन विद्या परीक्षा प्रभारी श्री पदमचंद जी दुग्गड़ एवं केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती रीता जी सुराणा ने भी सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र सभी की उपस्थिति में खोले गए। परीक्षा समाप्ति के पश्चात सभी उत्तर पुस्तिकाओं को एकत्रित कर विधिवत सील किया गया तथा उन्हें निर्धारित केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

जैन विद्या परीक्षा व्यवस्थापिका श्रीमती रीता जी सुराणा ने बताया कि इस परीक्षा के लिए कुल 656 फॉर्म भरे गए। स्कूल के बच्चों ने भी फॉर्म भरकर परीक्षाओं में भाग लिया।

जैन विद्या परीक्षा के फॉर्म भरवाने में सह-केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती संतोष जी पिंचा के साथ विनय श्री सुराणा, निशा पिंचा, अनीता गीडिया, शकुंतला बुचा, कुसुम सिपानी, सीमा पोकरणा, रजनी श्यामसूखा, प्रेम संचेती, सुमन सेठिया, सरला पी. भुतोड़िया, श्वेता सेठिया, सुमन चोरड़िया, विनीता दुगड़, यशोदा कोठारी, रंजू बैद, अंजू गोलछा, हेमा मालू, चंदन कोठारी, रेणु बैगनी, निशा दुगड़, प्रभा दुगड़ एवं अनीता लूनावत (कामारेड्डी) का अथक परिश्रम रहा।

तेरापंथ भवन की व्यवस्था में अरिहंत गुजरानी एवं खुशाल भंसाली का सहयोग मिला। जैन विद्या तेलंगाना की आंचलिक संयोजिका संगीता गोलछा एवं तेलंगाना जैन विद्या की सह-प्रभारी राजेंद्र बोथरा का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों, पदाधिकारियों, परीक्षार्थियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद की बैठक संपन्न

'अक्षर भारती' हिंदी ई-पत्रिका का विमोचन
18 कार्यालय एवं 12 पत्रिकाएं सम्मानित



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद की बैठक दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय रेल निलयम में 26 नवंबर 2026 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में समिति के उपाध्यक्ष एवं अपर महाप्रबंधक तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे श्री राजेश पी. खाडे, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण तथा हिंदी शिक्षण योजना के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप निदेशक (कार्यान्वयन), बेंगलुरु, श्री निर्मल कुमार दुबे तथा कुछ अन्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की।

अध्यक्ष श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समिति की बैठकों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को बधाई दी कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद को 'उत्कृष्ट श्रेणी' का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

बैठक के प्रारंभ में उपाध्यक्ष ने नराकास के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए राजभाषा संबंधी कार्यों को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने का आग्रह किया।

बैठक के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद की हिंदी ई-पत्रिका 'अक्षर भारती' का विमोचन अध्यक्ष महोदय द्वारा किया गया।

राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले 18 कार्यालयों को तथा सर्वश्रेष्ठ हिंदी पत्रिका के प्रकाशन के लिए 12 कार्यालयों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वर्ष के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के 40 विजेताओं को अध्यक्ष महोदय के करकमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्री एम.के. नागराजु, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद एवं उप महाप्रबंधक (राजभाषा), दक्षिण मध्य रेलवे ने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की तथा पिछली छमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

सद्भावना वृद्धाश्रम के ट्रस्टी धीरेन्द्र कानावार का अभिनंदन

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजकोट, गुजरात से हैदराबाद पधारे प्रमुख समाजसेवी एवं गौभक्त धीरेन्द्रभाई कानावार का प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से अभिनंदन किया गया।



प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की अध्यक्ष जया जागीरदार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सुलतान बाजार स्थित रायल प्लाजा कॉम्प्लेक्स में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, श्री कच्छी गुर्जर जैन परिवार, जैन श्रीसंघ बरकतपुरा सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में सद्भावना वृद्धाश्रम, राजकोट के ट्रस्टी धीरेन्द्रभाई कानावार के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदीप संघवी, रिद्धीश जागीरदार, पराग बेचरलाल शेठ एवं गौतम मारू उपस्थित थे। इस अवसर पर समाजसेवी एवं गौभक्त धीरेन्द्रभाई कानावार का प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से अभिनंदन किया गया।

बैठक में धीरेन्द्रभाई कानावार ने सद्भावना वृद्धाश्रम की गतिविधियों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम केवल भारतीय संस्कृति की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि वर्तमान समय की भी जरूरत बन गया है। दुर्भाग्यवश, जैसे-जैसे संयुक्त परिवार व्यवस्था टूट रही है, वैसे-वैसे अनेक बुजुर्ग बेसहारा होते जा रहे हैं। पिछले दस वर्षों से राजकोट में विनुभाई बचुभाई नागरेचा परिसर में सद्भावना वृद्धाश्रम संचालित किया जा रहा है।

इस वृद्धाश्रम में जाति एवं धर्म के भेदभाव के बिना जरूरतमंद बुजुर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आश्रय दिया जाता है तथा उन्हें सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। सद्भावना फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक विजयभाई डोबरिया को पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 'ग्रीनमैन' की उपाधि से भी सम्मानित किया गया है।

धीरेन्द्रभाई कानावार ने बताया कि शारीरिक रूप से असक्षम एवं गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बुजुर्गों के लिए एक आधुनिक बहुमंजिला आश्रय गृह का निर्माण किया जा रहा है। संस्था पिछले कई वर्षों से गुजरात में बुजुर्गों, जरूरतमंदों एवं बेसहारा लोगों की सेवा कर रही है। अब संस्था ने 500 करोड़ रुपये की लागत से 1,400 कमरों वाला आश्रय गृह बनाने की योजना बनाई है, जिसमें 5,000 बेसहारा, बीमार एवं बिस्तर पर रहने वाले बुजुर्गों को आश्रय प्रदान किया जाएगा। यह विश्व का सबसे बड़ा निःशुल्क सद्भावना वृद्धाश्रम होगा।

उन्होंने बताया कि विनुभाई बचुभाई नागरेचा परिसर में बेसहारा, बीमार एवं बिस्तर पर रहने वाले बुजुर्गों को आजीवन पूरी तरह निःशुल्क आवास एवं सेवाएं प्रदान की जाएंगी। परिसर में सात टावर बनाए जाएंगे तथा प्रत्येक टावर में 11 मंजिलें होंगी, जिससे प्रत्येक बुजुर्ग को पर्याप्त स्थान एवं बेहतर देखभाल मिल सकेगी।

यहां सभी धर्मों के धार्मिक स्थल भी बनाए गए हैं, ताकि बुजुर्ग अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार स्वतंत्र रूप से पूजा-अर्चना कर सकें।

जैन समुदाय के बुजुर्गों के लिए एक पूरा टावर अलग से बनाया गया है, जिसमें मंदिर की व्यवस्था भी की गई है।



बेगमबाजार स्थित खेमदास मठ में श्री जीण माता एवं श्याम बाबा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल का सम्मान करते हुए मंदिर के प्रमुख विनय जैन। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के युवा अध्यक्ष राहुल अग्रवाल तथा खाटू धाम से पधारे श्री चावला जी भी उपस्थित थे।

हिंदी महाविद्यालय में 77वां संविधान दिवस समारोह आयोजित



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नल्लाकुंटा स्थित हिंदी महाविद्यालय के प्रांगण में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा 77वें संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. बाला कुमार के संदेश से हुआ। उन्होंने संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जहां जनता को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त है। अतः नागरिकों को अपने अधिकारों का प्रयोग सोच-समझकर एवं जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा

राजनीति शास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरभि तिवारी ने संविधान के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उसकी रचना, महत्व एवं प्रमुख संशोधनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया गया था।

उन्होंने बताया कि संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा है। यह सरकार एवं नागरिकों के लिए दिशा-निर्देशक है तथा संवैधानिक मूल्यों का सार प्रस्तुत करती है। प्रस्तावना में निहित आदर्श देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

युवाओं को अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश

राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पांडेय ने संविधान गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी को संविधान के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि युवा देश के वर्तमान एवं भविष्य दोनों हैं। इसलिए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए कर्तव्यों के प्रति भी जिम्मेदार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संविधान का सम्मान ही लोकतंत्र का सम्मान है तथा संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है।

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुस्तकें प्रदान

इस अवसर पर विभाग द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ज्ञानवर्धक पुस्तकें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में डॉ. बी. श्रीदेवी (भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष), वकील पांडेय (अर्थशास्त्र विभाग), बी.टी. मधुसूदन (वाणिज्य विभाग), डॉ. पुष्पवल्ली (हिंदी विभाग), अर्चना सिंह (इतिहास विभाग), अंग्रेजी विभाग की श्रीमती शारदा एवं श्रीमती राधिका, परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राव तथा सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पांडेय ने किया। समारोह का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विज्ञान की विभिन्न विधाओं के समन्वय से विकसित होंगी अगली पीढ़ी की तकनीकें

सीएसआईआर-सीसीएमबी का 39वां स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वैज्ञानिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन्वय स्थापित कर अगली पीढ़ी की तकनीकों का विकास करने तथा विज्ञान की अलग-अलग विधाओं के बीच की सीमाओं को तोड़ने पर जोर दिया गया। सीएसआईआर-सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी केंद्र (सीसीएमबी) ने बुधवार को अपना 39वां स्थापना दिवस मनाया। सीएसआईआर-सीसीएमबी की स्थापना सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) से अलग होकर हुई थी। 26 नवंबर, 1987 को इस संस्थान ने हैदराबाद के हब्सीगुड़ा में अपना स्वतंत्र परिसर स्थापित किया था।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. विनय के. नंदिकूरी ने कहा कि स्थापना दिवस संस्थान में होने वाले व्यापक वैज्ञानिक कार्यों का प्रतीक है। यहां मूलभूत अनुसंधान से लेकर स्वास्थ्य, कृषि एवं प्रकृति संरक्षण से संबंधित परियोजनाओं तक कार्य किया जा रहा है, जिनका समाज पर प्रत्यक्ष एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. उमेश वाघमारे समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से विभिन्न वैज्ञानिक विषयों एवं विधाओं को एक साथ जोड़कर नए और क्रांतिकारी विचार विकसित करने पर जोर दिया।



स्वयं कम्प्यूटेशनल मटेरियल साइंटिस्ट (संगणकीय पदार्थ वैज्ञानिक) होने के नाते उन्होंने बताया कि उनकी शोध टीम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं मशीन लर्निंग (एमएल) की सहायता से सुपरकंडक्टर के संभावित उम्मीदवारों की पहचान एवं भविष्यवाणी करने में सफल रही है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटिंग के क्षेत्र में विकसित अवधारणाओं का विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में व्यापक उपयोग हुआ है। मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को समझने के लिए विकसित उपकरणों एवं अवधारणाओं ने कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क जैसे कंप्यूटिंग साधनों के विकास में सहायता की है।

इसी प्रकार कंप्यूटिंग के क्षेत्र में विकसित विचारों ने जीवविज्ञानियों को यह समझने में मदद की है कि जीवित कोशिकाओं में सूचनाएं किस प्रकार संचित, कूटबद्ध एवं संसाधित होती हैं। अब डीएनए का उपयोग डेटा की गणना करने तथा उसे संग्रहित करने के लिए भी किया जा सकता है।

प्रो. वाघमारे ने कहा कि वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग एक अरब टेराबाइट (टीबी) डेटा उत्पन्न हो रहा है और डीएनए तकनीक डेटा संग्रहण के तरीके में बड़ा बदलाव ला सकती है।उन्होंने न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग की क्षमताओं पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि इसकी विशेषता एक साथ बड़ी संख्या में निर्देशों को निष्पादित करने की क्षमता है। यह कंप्यूटिंग प्रणाली मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली से प्रेरित है।हालांकि, इस तकनीक के सामने धीमी प्रसंस्करण गति, अधिक त्रुटि दर, उच्च लागत तथा बड़े स्तर पर विस्तार करने जैसी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां युवा वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान एवं नवाचार के नए अवसर प्रस्तुत करती हैं।

सीएसआईआर-सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय के. नंदिकूरी ने कहा कि जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं और संस्थान इन बदलावों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि विज्ञान की विभिन्न विधाओं के समन्वय से स्वास्थ्य, कृषि, जैव प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण संरक्षण सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की जा सकेंगी।

स्वच्छ भारत की भावना से प्रेरित नशामुक्त भारत पदयात्रा

नशामुक्ति अभियान के साथ स्वच्छता का संदेश; मंत्री किशन रेड्डी के परिवार ने भी पदयात्रा में निभाई सक्रिय भूमिका



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की 'हैदराबाद वॉक्स फॉर नशामुक्त भारत' पदयात्रा केवल नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान ही नहीं, बल्कि शहर में स्वच्छ भारत की भावना को भी नई गति प्रदान कर रही है।

आमतौर पर सार्वजनिक पदयात्राओं एवं रैलियों के बाद सड़कों पर कचरा बिखरा दिखाई देता है, लेकिन इस पदयात्रा में एक विशेष स्वच्छता दल लगातार यात्रियों के पीछे चल रहा है। यह दल प्रतिभागियों द्वारा उपयोग की गई खाली पानी की बोतलें तथा अन्य कचरा एकत्र कर मार्ग को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इस पहल को स्थानीय नागरिकों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने सराहना करते हुए इसे नशामुक्ति अभियान के साथ नागरिक जिम्मेदारी का व्यावहारिक संदेश बताया है।

किशन रेड्डी की व्यक्तिगत पहल पर तैनात स्वच्छता दल पदयात्रियों के साथ-साथ चलते हुए मार्ग पर बिखरे कचरे को लगातार साफ कर रहा है। इस प्रयास से यह संदेश दिया जा रहा है कि नशामुक्त समाज के साथ स्वच्छ, स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज का निर्माण भी आवश्यक है। जहां पदयात्रा के माध्यम से युवाओं को मादक पदार्थों से दूर रहने के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वहीं निरंतर चल रहे स्वच्छता अभियान ने कार्यक्रम को स्वच्छ भारत का भी महत्व-पूर्ण आयाम प्रदान किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मार्ग को साफ-सुथरा रखने पर मंत्री द्वारा विशेष जोर देना केवल नारों तक सीमित नहीं, बल्कि वास्तविक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

परिवार ने भी निभाई सक्रिय भूमिका

पदयात्रा की एक अन्य विशेषता मंत्री किशन रेड्डी के परिवार की सक्रिय सहभागिता रही है। पिछले दो दिनों से उनकी पत्नी काव्या किशन रेड्डी उनके साथ पदयात्रा में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा रही हैं तथा अभियान के जनसंपर्क को मजबूत कर रही हैं।

पहले दिन उनके पुत्र तन्मय रेड्डी ने पिता के साथ पदयात्रा में शामिल होकर युवाओं एवं आम नागरिकों को प्रोत्साहित किया। दूसरे दिन उनकी बेटी वैष्णवी रेड्डी ने भी सक्रिय रूप से भाग लेते हुए पदयात्रा के दौरान नशे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने में योगदान दिया।

चाय की दुकान पर आम लोगों से संवाद

पदयात्रा के दौरान एक विशेष क्षण उस समय देखने को मिला, जब किशन रेड्डी अपने परिवार के सदस्यों के साथ सड़क किनारे स्थित एक चाय की दुकान पर रुके और स्थानीय नागरिकों से अनौपचारिक बातचीत की। बिना किसी सरकारी औपचारिकता या विशेष तामझाम के परिवार ने लोगों के साथ चाय पी, उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सभी को सहभागी बनने का आह्वान किया।

मंत्री ने कहा कि समाज को नशे के अभिशाप से बचाने के लिए प्रत्येक परिवार एवं नागरिक की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। परिवार की सहभागिता ने 'नशामुक्त भारत' अभियान को व्यक्तिगत जुड़ाव एवं जनसामान्य के बीच पहुंचने का स्वरूप प्रदान किया है। वहीं, पदयात्रा के प्रत्येक कदम के साथ स्वच्छ भारत का संदेश भी आगे बढ़ रहा है।

नितिन नवीन अपने क्षेत्र में भाजपा को नहीं जिता सके, तेलंगाना में क्या कर पाएंगे : रेवंत रेड्डी

कांग्रेस को 2034 तक सत्ता में बनाए रखने का दावा; भाजपा और बीआरएस को एक साथ चुनाव लड़ने की चुनौती



हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भाजपा और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों पर निशाना साधते हुए चुनौती दी कि वे विधानसभा चुनाव में अलग-अलग लड़ने के बजाय कांग्रेस के खिलाफ एक साथ मैदान में उतरें। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस दोनों दलों को पराजित करेगी और तेलंगाना में वर्ष 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि जब वे अपने ही निर्वाचन क्षेत्र बिहार के पटना स्थित बांकीपुर में हालिया उपचुनाव के दौरान भाजपा को जीत नहीं दिला सके, तो तेलंगाना में पार्टी के लिए क्या हासिल कर पाएंगे। नितिन नवीन के हालिया तेलंगाना दौरे तथा करीमनगर में उनकी पदयात्रा पर कटाक्ष करते हुए रेवंत रेड्डी ने उनके दौरे के उद्देश्य पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में भाजपा की राजनीतिक मौजूदगी को खारिज करते हुए पूछा, ''तेलंगाना में भाजपा कहां है?'' उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाजपा के नेता जी. किशन रेड्डी, बंदी संजय कुमार और एन. रामचंदर राव पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए कितने भी प्रयास कर लें, लेकिन राज्य में भाजपा कोई राजनीतिक बढ़त हासिल नहीं कर पाएगी।

नगरकुरनूल जिले के अचंपेट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं को एक करोड़ इंदिरम्मा साड़ियां वितरित करने तथा नई चेयुता पेंशन योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल इसलिए अस्तित्व में है क्योंकि वह केंद्र में सत्ता में है। यदि भाजपा केंद्र की सत्ता गंवा देती है, तो वह 'मृत सांप' बन जाएगी। इसी तरह बीआरएस भी दोबारा सत्ता में नहीं लौटेगी। उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस ने ऐसा क्या काम किया है, जिसके आधार पर वह जनता से फिर जनादेश मांग सकती है।

बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निजामों को दुनिया के सबसे धनी शासकों में शामिल होने में 220 वर्ष लगे थे, जबकि चंद्रशेखर राव और उनके परिवार ने बीआरएस के 10 वर्ष के शासनकाल में ही निजाम से अधिक संपत्ति अर्जित कर ली।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्ता गंवाने के बाद चंद्रशेखर राव अपने फार्महाउस तक सीमित हो गए हैं और सरकार की विफलताओं को लेकर जनता का सामना नहीं कर पाने के कारण लोगों से मिलने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने 10 वर्ष के शासनकाल में लगभग 8.11 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर तेलंगाना को समृद्ध राज्य से कर्जग्रस्त राज्य बना दिया और सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में भी सरकार को नहीं छोड़ा।

रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि चंद्रशेखर राव ने सत्ता का उपयोग अपने परिवार के सदस्यों एवं रिश्-तेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए किया। उन्होंने सवाल किया कि सत्ता से हटने के बाद वे जनता के मुद्दे क्यों नहीं उठा रहे हैं।

जीएचएमसी की लापरवाही से चाकनावाड़ी में मासूम की मौत : आनंद कुमार गौड़

डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर को निलंबित करने एवं पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये अनुग्रह राशि देने की मांग



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अधिकारियों की उदासीनता एवं कर्मचारियों की लापरवाही के कारण चाकनावाड़ी क्षेत्र में चार वर्षीय मासूम बच्चे की डेंगू से मौत हो गई। उन्होंने इस घटना के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

गुरुवार शाम गौलीगुड़ा स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र की बस्तियों एवं कॉलोनियों में मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने एवं समस्याओं के समाधान की मांग करने के बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है।

मच्छरों के प्रकोप से परेशान नागरिक

उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मूसी नदी के आसपास स्थित बस्तियों एवं कॉलोनियों में रात के समय मच्छरों का प्रकोप इतना अधिक है कि स्थानीय लोगों की नींद हराम हो रही है। लोगों को हर रात जागकर गुजारनी पड़ रही है।

मच्छर नियंत्रण उपायों को लागू करने में पूरी तरह विफल रही है, जिसके कारण स्थानीय लोग मच्छरों के काटने से वायरल बुखार एवं अन्य बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं और उन्हें अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

गंदगी एवं जलभराव से बिगड़े हालात

आनंद कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि निर्वाचन क्षेत्र की बस्तियों एवं कॉलोनियों की सड़कों पर प्रतिदिन गंदा पानी नदियों की तरह बह रहा है। सीवरेज एवं कच्ची नालियों के ओवरफ्लो होने के बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई अधिकारी आगे नहीं आ रहा है।

उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि स्थानीय विधायक एवं पार्षद अपने निजी कार्यों तक सीमित हो गए हैं तथा जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर को निलंबित करने की मांग

उन्होंने जीएचएमसी कमिश्नर से मांग की कि डेंगू से चार वर्षीय मासूम बच्चे की मौत के 24 घंटे बीत जाने के बावजूद जीएचएमसी सर्कल-30 के डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर ने न तो प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया, न ही पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी और न ही इलाके में मच्छरों की रोकथाम के लिए कोई प्रभावी कदम उठाया।

उन्होंने कहा कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी का घटनास्थल पर नहीं पहुंचना एवं कार्रवाई नहीं करना अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना है। ऐसे लापरवाह अधिकारी को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए।

पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि

आनंद कुमार गौड़ ने मांग की कि जीएचएमसी की कथित लापरवाही के कारण डेंगू से जान गंवाने वाले चाकनावाड़ी क्षेत्र के चार वर्षीय कैरव राज के परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि (एक्स-ग्रेशिया) प्रदान की जाए।

उन्होंने राज्य सरकार से भी इस घटना को गंभीरता से लेते हुए शहर में मच्छर नियंत्रण उपायों को प्रभावी बनाने तथा मच्छर मारने वाली दवा के छिड़काव (फॉगिंग) अभियान को तेज करने की मांग की।

जीएचएमसी मुख्यालय घेराव की चेतावनी

आनंद कुमार गौड़ ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार एवं जीएचएमसी अधिकारी तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए उचित कार्रवाई नहीं करते, तो बीआरएस पार्टी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जीएचएमसी मुख्यालय का घेराव करेगी।

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए ऐतिहासिक महासम्मेलन 11 दिसंबर को

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय संस्कृति की आत्मा एवं वेदों में वर्णित देशी गोमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांग को लेकर तेलंगाना की धरती पर एक ऐतिहासिक जनआंदोलन का शंखनाद होने जा रहा है। गो सम्मान आह्वान अभियान, तेलंगाना के तत्वावधान में 11 दिसंबर 2026, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक हॉकी ग्राउंड, सिख विलेज, धोबी घाट, इम्पीरियल गार्डन के सामने, सिकंदराबाद, हैदराबाद में भव्य एवं ऐतिहासिक महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर से हजारों गोभक्तों एवं संत-महात्माओं के जुटने की संभावना है।

आयोजन को लेकर विशेष बैठक

गो सम्मान आह्वान अभियान के आयोजन के संदर्भ में एक विशेष बैठक आबिड्स स्थित कुंदन एस्टेट्स में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना राज्य के प्रधान संयोजक स्वामी संकादिकदास महाराज (वृंदावन) एवं डॉ. अमिताचार्य महाराज (जयपुर) ने की।

बैठक में अभियान संयोजक गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़, श्री गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष गोपाल सारडा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्ट अध्यक्ष रिद्धीश जागीरदार, शिव मंदिर गौशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, शिवाजी फाउंडेशन के सी.एस. चौहान, एस.बी. चैतन्यदास, दिलसुखनगर गौशाला के अमित सोनी, सोमेश, वेंकट, अलुरी काव्या, शिवप्रसाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. अमिताचार्य महाराज ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल एक कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि पूरे देश में गोमाता के सम्मान, रक्षा एवं सेवा के प्रति जनचेतना जागृत करना है।



उन्होंने कहा कि गोमाता अनादि काल से भारतीय सभ्यता, संस्कृति, धर्म एवं अर्थव्यवस्था का आधार रही हैं। वेदों में गोमाता को माता का स्थान दिया गया है तथा भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गोपाल बनकर गो-सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार गोमाता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना जाता है।

स्वामी संकादिकदास महाराज ने कहा कि गो-पूजन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। देशी गोमाता का गोबर एवं गोमूत्र प्राकृतिक खेती के महत्वपूर्ण आधार हैं। रासायनिक खादों के कारण बर्बाद हो रही धरती को गो-आधारित जैविक खेती के माध्यम से संरक्षित किया जा सकता है।

गो-आधारित पंचगव्य, आयुर्वेद, दुग्ध उत्पाद एवं गोबर से निर्मित उत्पाद लाखों परिवारों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। देशी गोवंश पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने कहा कि देशी गोमाता का ए-2 दूध, घी एवं पंचगव्य आयुर्वेदिक परंपरा में विशेष महत्व रखते हैं।

इसके बावजूद आज गोमाता उपेक्षा, तस्करी एवं कत्लखानों का शिकार हो रही हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि गोमाता को केवल भावनात्मक सम्मान ही नहीं, बल्कि संवैधानिक एवं कानूनी संरक्षण भी मिले।

महासम्मेलन के विषय में जानकारी देते हुए मुरली मनोहर पलोड़ एवं गोपाल सारडा ने बताया कि गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिलने से गो-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, गो-तस्करी के विरुद्ध कठोर कानून एवं गोशाल-ाओं के संरक्षण को संवैधानिक मजबूती मिलने की मांग को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

महासम्मेलन में देशभर से पधारे पूज्य संत-महात्माओं का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन, गो-वैज्ञानिकों, आयुर्वेदाचार्यों एवं कृषि विशेषज्ञों के विचार, गोशाला संचालकों एवं गो-सेवकों का सम्मान, राष्ट्रमाता संकल्प पत्र पर सामूहिक हस्ताक्षर अभियान, गो-आधारित जैविक खेती एवं पंचगव्य उत्पादों की प्रदर्शनी तथा हजारों गोभक्तों द्वारा सामूहिक गो-पूजन एवं गो-संरक्षण का संकल्प जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के संयोजक जसमतभाई पटेल ने कहा, गोमाता हमारी मां हैं। जिस देश में मां का सम्मान नहीं, उस देश का भविष्य सुरक्षित नहीं। यह अभियान किसी एक समाज, जाति या पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का अभियान है। हम सरकार से विनम्रतापूर्वक मांग करते हैं कि गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित कर संविधान में स्थान दिया जाए।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि इस कार्यक्रम में तेलंगाना के सभी जिलों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं अन्य राज्यों से गोभक्त भाग लेंगे। उन्होंने व्यापारियों, उद्य-ोगपतियों, सामाजिक संस्थाओं, मंदिर ट्रस्टों, जैन, अग्रवाल, माहेश्वरी एवं सभी समाजों से इस पुण्य कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की।

बैठक में उपस्थित अन्य गोभक्तों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा अभियान को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया।

हिंदी महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी महाविद्यालय में 25 नवंबर को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी महाविद्यालय के संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, प्राचार्य डॉ. के. बाला, उपप्राचार्य डॉ. पी.एस.एम.एल. वसंता, परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राव, सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।



नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश

हिंदी महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा 25, 26 एवं 27 नवंबर को आयोजित तीन दिवसीय 'नशा मुक्त भारत' पदयात्रा एवं अभियान के समर्थन में जागरूकता रैली निकाली। इस अभियान का उद्देश्य नशे के सेवन से दूर रहने, सामाजिक उत्पीड़न एवं विभिन्न सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश देना है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय तक निकाली रैली

हिंदी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया। रैली उस्मानिया विश्वविद्यालय तक पहुंची। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ समाज के उत्थान, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के उद्देश्य से इस अभियान में सहभागिता की। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण एवं सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.